दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 190 पृष्ठ : 8 मूल्य: 1:00 रायपुर, मंगलवार 21 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

Vastu Guruji

वास्तु हेतु संपर्क करें...

मो.नं. 9074110000 9770888888

घर में खुशहाली बनाए रखने के लिए सबसे पहले सकारात्मक सोच और आपसी सम्मान जरूरी है। सुबह उठते ही ईश्वर का स्मरण करें और घर को साफ-सुथरा रखें। रोज थोड़ा समय परिवार के साथ बैठकर बातचीत करें, इससे आपसी समझ मजबूत होती है। घर में नियमित दीपक या अगरबत्ती जलाने से वातावरण शुद्ध और शांत रहता है। जरूरतमंदों की सहायता करने से भी घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। आपसी मतभेद होने पर शांतिपूर्वक बातचीत से समाधान निकालें। सप्ताह में एक दिन परिवार के साथ भोजन करना और हँसी-मजाक करना रिश्तों को मजबूत बनाता है।

कॉल करें: 9770440000

अब समय है अपने भविष्य को संवारने का!

सीएम ने कहा- मोदी की गारंटी, सुशासन की नीति और जनकल्याण से बदल रहा छत्तीसगढ़

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने रायपुर में कहा कि डबल इंजन की सरकार राज्य में लगातार विकास कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि सुशासन, किसान कल्याण और सामाजिक समरसता से छत्तीसगढ़ मजबूत हो रहा है. प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास, किसानों की समृद्धि, महिलाओं के सशक्तिकरण, पारदर्शी सुशासन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने ढाई वर्षों में अधिकांश मोदी गारंटियों को पूरा कर जनता के विश्वास को मजबूत किया है.

सीएम ने यादव समाज की तारीफ की

रायपुर के ग्राम-बरौदा में आयोजित झेरिया यादव समाज के महासम्मेलन एवं सामाजिक भवन लोकार्पण समारोह में सीएम ने यह बात कही है. उन्होंने रायपुर में झेरिया यादव समाज के सामाजिक भवन के लिए 15 लाख रुपये की घोषणा की तथा ग्राम बरौदा में नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण भी किया. सीएम साय ने कहा कि संगठित और जागरूक समाज ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला होता है तथा ऐसे सामाजिक सम्मेलन समाज सुधार और सामाजिक एकता को नई दिशा देते हैं.

यादव समाज भारतीय संस्कृति, जीवन-मूल्यों और गौ-सेवा की समृद्ध परंपरा का संवाहक है. भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों पर चलने वाला यह समाज धर्म, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश देता है. उन्होंने कहा कि संगठित और जागरूक समाज ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला होता है तथा ऐसे सामाजिक सम्मेलन समाज सुधार और सामाजिक एकता को नई दिशा देते हैं.

मोदी की गारंटी पूरी करने में छत्तीसगढ़ अव्वल

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार गठन के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास हमने मंजूर किए. पीवीटीजी के लिए 32 हजार प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाया जा रहा है. प्रदेश सरकार किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है. किसान कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और खेती को लाभकारी बनाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं.

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को हो रहा फायदा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की माताओं-बहनों के खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि अंतरित की जा रही है. इस योजना ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई मजबूती प्रदान की है और परिवारों की आर्थिक सुरक्षा बढ़ाई है.

छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां सुशासन एवं अभिसरण विभाग की स्थापना की गई है. सरकारी सेवाओं को पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध बनाने के लिए प्रक्रियाओं का तेजी से डिजिटलीकरण किया जा रहा है. मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से नागरिक 24 घंटे, सप्ताह के सातों दिन अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं. शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए विभिन्न विभागों के लगभग 8 हजार अधिकारियों और कर्मचारियों को चार स्तरीय व्यवस्था से जोड़ा गया है. साथ ही प्रत्येक पंचायत में अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

मानसून सत्र के पहले दिन हंगामे की भेंट चढ़े प्रश्नकाल और शून्यकाल

नई दिल्ली। मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा में प्रश्नकाल और शून्यकाल हंगामे की भेंट चढ़ गए। नीट पेपर लीक मामले पर संसद के दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के सदस्यों का हंगामा बरकरार रहा। इसके बाद सुबह 11 बजे से तीन बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। दोपहर 12.30 बजे दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस और अन्य दलों के सांसदों की नारेबाजी जारी रही।

पीठासीन दिलीप सैकिया ने विपक्ष के सदस्यों से कहा, सुबह से लगातार आप लोग सदन को बाधित कर रहे हैं। यह ठीक नहीं है। असम, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में बाढ़ से गंभीर हालात हैं और लोग परेशानी में हैं। ऐसे मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है। बाढ़ के मुद्दे पर सदन में चर्चा की जानी चाहिए। उन्होंने शून्यकाल बेहद महत्वपूर्ण समय होता है और सांसदों को मुद्दा उठाने का अवसर मिलता है। विपक्ष के सदस्यों का व्यवहार बिल्कुल सही नहीं है। दिलीप सैकिया के बार-बार अनुरोध के बावजूद विपक्ष के सदस्यों का हंगामा जारी रहा। इसके बाद सदन की कार्यकारी दोपहर एक बजे तक के लिए स्थगित की गई।

इससे पहले, सुबह 11 बजे सत्र शुरू होने पर लोकसभा में दिवंगत सांसदों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके तुरंत बाद विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी। स्पीकर ओम बिरला ने विपक्ष के सांसदों से अनुरोध किया कि वे अपनी सीट पर बैठे रहें। सदन चलाने में सहयोग करें।

विपक्ष का हंगामा नहीं थमने पर स्पीकर ने कार्रवाई दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। दोपहर में कार्यवाही फिर से शुरू होने के बाद यह सिर्फ सात मिनट तक चली और फिर विपक्ष की भारी नारेबाजी के बीच लोकसभा को दोबारा स्थगित कर दिया गया।

उधर, राज्यसभा में सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होने पर नए सदस्यों को शपथ दिलाई गई। कुछ देर बाद विपक्ष के सदस्यों ने नीट पेपर लीक और प्रदर्शनकारी छात्रों का मुद्दा उठाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इसके कारण कार्यवाही दोपहर 12 बजे स्थगित करनी पड़ी। दोपहर में कार्यवाही शुरू होने पर महज एक मिनट सदन चला। दोबारा में कार्यवाही को 12.30 तक स्थगित किया गया। इसी तरह 12.30 बजे कार्यवाही शुरू होने के एक मिनट बाद इसे तीसरा बार स्थगित कर दिया गया।

SHORT NEWS

1000 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में रायपुर का कारोबारी महेंद्र गोयनका गिरफ्तार

रायपुर। यूरो कंपनी से जुड़े करीब 1000 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में कोलकाता पुलिस ने रायपुर के कारोबारी महेंद्र गोयनका को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी को दिल्ली की अदालत में पेश करने के बाद 10 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, महेंद्र गोयनका पर आरोप है कि उसने मध्यप्रदेश के भाजपा विधायक संजय पाठक के परिवार की कंपनियों में फर्जी दस्तावेज और जाली हस्ताक्षरों का इस्तेमाल कर कंपनी के नियंत्रण और करोड़ों रुपये की संपत्तियों पर कब्जा करने की कोशिश की।

भारत में पहली डेंगू वैक्सीन QDEN-GA को मंजूरी

नई दिल्ली। भारत में पहली बार डेंगू की वैक्सीन को मंजूरी मिल गई है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने ताकेदा बायोफार्मास्यूटिकल्स इंडिया की वैक्सीन QDENGA को बाजार में इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। कंपनी के मुताबिक, यह वैक्सीन चार से 60 साल तक के लोगों को लगाई जा सकेगी। इसे लगवाने से पहले यह जांच कराने की जरूरत नहीं होगी कि व्यक्ति पहले कभी डेंगू से संक्रमित हुआ था या नहीं।

सरकारी रिकॉर्ड में जिंदा व्यक्ति को मृत बताकर नौकरी से हटाया, हाईकोर्ट ने कमिश्नर कोर्ट का आदेश किया निरस्त

बिलासपुर। सरकारी तंत्र की लापरवाही का मामला सामने आया है. जीवित व्यक्ति को सरकारी रिकार्ड में मृत घोषित कर नौकरी से हटा दिया गया था. मामला हाई कोर्ट पहुंचा तो जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की सिंगल बेंच ने कमिश्नर के आदेश को त्रुटिपूर्ण मानते हुए निरस्त कर दिया है और मामले को दोबारा सुनवाई के लिए कमिश्नर कोर्ट भेज दिया है.

कोटवार नियुक्ति को चुनौती

दरअसल, जशपुर जिले के मनोरा तहसील के ग्राम गजमा निवासी मरियानुस एक्का को ग्राम पंचायत का कोटवार नियुक्त किया गया था. इस नियुक्ति को सुबोध कुमार तिर्की ने अनुविभागीय अधिकारी स्डरू के समक्ष चुनौती दी थी, जिसे स्डरू ने खारिज कर दिया था. इसके बाद, सुबोध तिर्की ने सरगुजा कमिश्नर कोर्ट में द्वितीय अपील प्रस्तुत की. मामले की सुनवाई के बाद कमिश्नर ने 18 जून 2018 को इस अपील को यह कहते हुए स्वीकार कर लिया कि मरियानुस एक्का अब इस दुनिया में नहीं हैं' और उनकी कोटवार पद पर नियुक्ति निरस्त कर दी. कमिश्नर आदेश को चुनौती देते हुए कोटवार मरियानुस एक्का ने हाई कोर्ट बिलासपुर में याचिका लगाई. मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया, कि सरगुजा कमिश्नर का आदेश पूरी तरह से गलत तथ्यों पर आधारित है. याचिकाकर्ता जीवित है और उसी ने यह याचिका दायर की है.

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट ने राज्य शासन को निर्देश दिया था कि वह जांच कर बताए कि याचिकाकर्ता जीवित है या नहीं. राज्य शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता केशव गुप्ता ने कोर्ट को जानकारी दी कि अधिकारियों से प्राप्त सूचना के अनुसार याचिकाकर्ता मरियानुस एक्का जीवित है.

मौदहापारा थाने में शुरू हुआ ई-मालखाना

रायपुर। रायपुर का मौदहापारा थाना अब ई-मालखाना प्रणाली से जुड़ गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित कांबले ने आज इसका शुभारंभ किया। इससे पहले कमिश्नरेट में ई-मालखाना की शुरुआत कोतवाली थाना से की गई थी। ई-मालखाना प्रणाली के जरिए अपराध और अन्य मामलों में जब्त किए गए सामान का रखरखाव अब डिजिटल तरीके से किया जाएगा। इससे जब्त संपत्तियों का रिकॉर्ड व्यवस्थित और पारदर्शी रहेगा। साथ ही माल की डिजिटल एंट्री होने से उसकी 'चेन ऑफ कस्टडी' भी सुरक्षित रहेगी, जिससे किसी भी जब्त सामान की स्थिति, विवरण और उससे जुड़े प्रकरण की जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

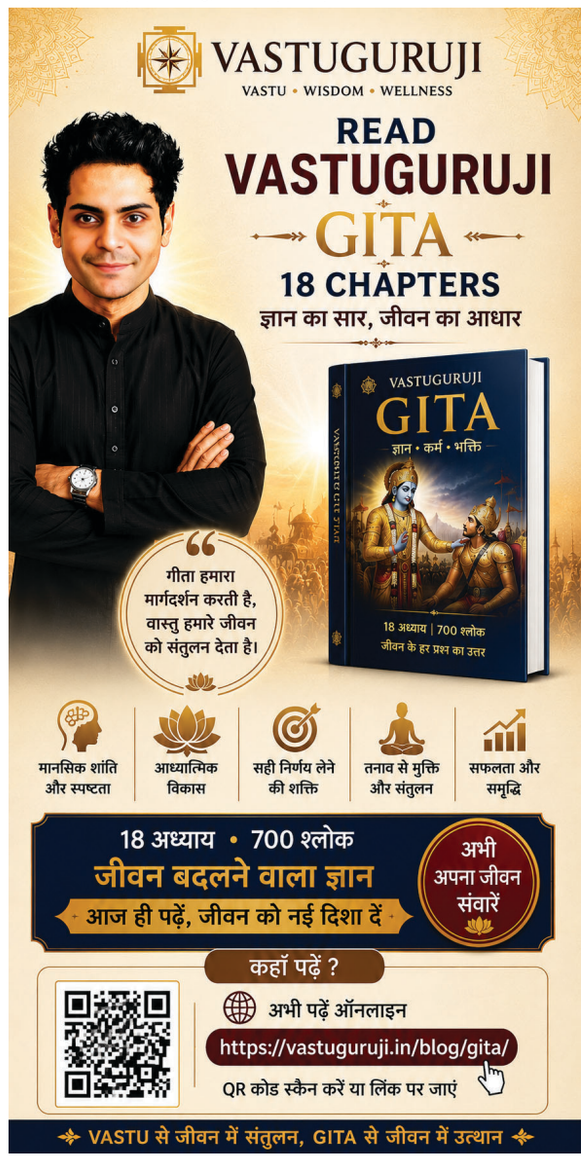

छत्तीसगढ़ में 92 ASP-DSP स्तर के अधिकारियों का तबादला: राजेंद्र प्रसाद भैया को पीटीएस मैनपाट की कमान, ओपी शर्मा बने मुख्यमंत्री सुरक्षा के एसपी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के गृह (पुलिस) विभाग ने सोमवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ᣴस्क) और उप पुलिस अधीक्षक (ष्ठस्क) स्तर के 92 अधिकारियों का तबादला किया है। जारी आदेश के तहत अधिकारियों को प्रशासनिक आधार पर तत्काल प्रभाव से नई पदस्थापना दी गई है।

तबादला सूची में अलग-अलग जिलों में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों और उप पुलिस अधीक्षकों के साथ पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह फेरबदल किया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

जारी आदेश के अनुसार राजेंद्र प्रसाद भैया को पुलिस अधीक्षक, पीटीएस मैनपाट बनाया गया है। ओपी शर्मा को मुख्यमंत्री सुरक्षा में पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं नीरज चंद्राकर को प्रथम वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई-दुर्ग का सेनानी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा गायत्री सिंह को पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एनएचआरसी) के पद पर पदस्थ किया गया है।

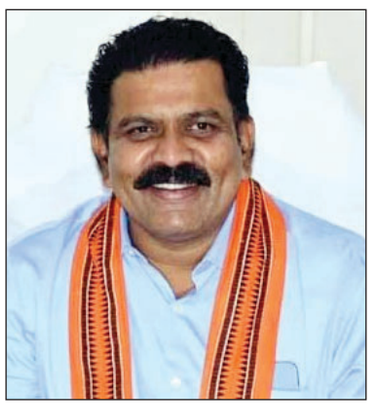

जन्मदिन पर विजय शर्मा का स्वच्छता संदेश, कचरा पृथक्करण को जनआंदोलन बनाने की अपील

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत-ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषकर ग्रामीण नागरिकों से स्वच्छता को जनभागीदारी का अभियान बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छता में ही भगवान का वास होता है' और स्वच्छ गांव ही स्वस्थ, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 का पालन कर इसे जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शौचालय निर्माण जनआंदोलन बना, उसी तरह अब हर घर से कचरे का पृथक्करण भी जनभागीदारी के साथ सुनिश्चित करना होगा।

चार रंगों के डिब्बों में होगा कचरे का पृथक्करण

जिला पंचायत द्वारा जिले की 60 ग्राम पंचायतों में स्रोत पर कचरा पृथक्करण अनिवार्य किया गया है। इसके तहत प्रत्येक परिवार को चार रंगों के डिब्बों में अलग-अलग प्रकार का कचरा रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

नियमों के तहत मिश्रित कचरा देना दंडनीय होगा। साथ ही गीले कचरे से कम्पोस्ट निर्माण, सूखे कचरे की रीसायकलिंग और प्रत्येक वार्ड में स्वच्छता समितियों के गठन पर भी जोर दिया जाएगा।

'स्वच्छ छत्तीसगढ़, स्वस्थ छत्तीसगढ़' का आह्वान

विजय शर्मा ने कहा कि यदि हर परिवार अपने घर से ही कचरे का पृथक्करण शुरू करेगा तो गांव बीमारियों से सुरक्षित रहेंगे और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने सभी नागरिकों से 'स्वच्छ छत्तीसगढ़, स्वस्थ छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करने में सहभागी बनने की अपील की।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक अग्रवाल के मार्गदर्शन में स्वच्छता दीदियों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में घर-घर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वहीं, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के जिला समन्वयक संजय सोनी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री का यह संदेश ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को नई गति देगा।

छत्तीसगढ़ सरकार की बड़ी सौगात, अब घर बैठे बनवाएं राशन कार्ड

रायपुर। राशन कार्ड बनवाने के लिए अब लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। छत्तीसगढ़ शासन ने राशन कार्ड से जुड़ी सेवाओं को पूरी तरह ऑनलाइन करते हुए सेवा-सेतु पोर्टल के माध्यम से नए राशन कार्ड बनाने, परिवार के सदस्य जोड़ने और सदस्य हटाने (विलोपन) की सुविधा शुरू कर दी है। इससे आवेदन प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध होगी।

नई व्यवस्था के तहत कवर्धा जिले के नागरिक अंत्योदय, प्राथमिकता, एकल निराश्रित और निःशक्तजनश्रेणी के राशन कार्ड के लिए स्वयं सेवा-सेतु पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। जिन लोगों के पास ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध नहीं है, वे अपने नजदीकी लोक सेवा केंद्र के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं।

खाद्य विभाग के अनुसार, अंत्योदय राशन कार्ड के लिए विशेष पिछड़ी जनजाति, विधवा या एकाकी महिलाएं, गंभीर असाध्य बीमारी से पीड़ित व्यक्ति, दिव्यांग, निराश्रित, विमुक्त बंधुआ मजदूर तथा आवासहीन व्यक्तियों को संबंधित सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। वहीं, प्राथमिकता राशन कार्ड के लिए भूमिहीन कृषि मजदूर, सीमांत एवं लघु किसान, असंगठित श्रमिक तथा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को संबंधित प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।

खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि राशन कार्ड जारी होने के बाद परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी कराना अनिवार्य होगा। यह प्रक्रिया उचित मूल्य की दुकान पर जाकर अथवा फेस ई-केवाईसी के माध्यम से पूरी की जा सकेगी। ई-केवाईसी नहीं कराने पर भविष्य में राशन प्राप्त करने में परेशानी हो सकती है।

ऑनलाइन आवेदन करने और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने के बाद आवेदक को एक रसीद क्रमांक मिलेगा, जिसकी सहायता से वह अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन देख सकेगा। संबंधित अधिकारी द्वारा आवेदन का सत्यापन किया जाएगा। पात्र पाए जाने पर डिजिटल हस्ताक्षरयुक्त राशन कार्ड जारी किया जाएगा। हितग्राही अपने राशन कार्ड की प्रति संबंधित कार्यालय, लोक सेवा केंद्र अथवा सेवा-सेतु पोर्टल से डाउनलोड कर सकेंगे।

नई ऑनलाइन व्यवस्था से राशन कार्ड संबंधी सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर कम लगाने पड़ेंगे। हालांकि, इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधा, डिजिटल साक्षरता और लोक सेवा केंद्रों की उपलब्धता कितनी प्रभावी है। साथ ही, प्रशासन के लिए यह सुनिश्चित करना भी चुनौती होगी कि पात्र हितग्राहियों तक ऑनलाइन प्रक्रिया की पूरी जानकारी समय पर पहुंचे।

दुर्ग जिला न्यायालय में ई-कोर्ट्स के नए डिजिटल मॉड्यूल्स पर ट्रेनिंग वर्कशॉप संपन्न

दुर्ग। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में ई-कोर्ट परियोजना के अंतर्गत न्यायालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा न्याय वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित, सुगम एवं तकनीक-सक्षम बनाने के उद्देश्य से आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के चतुर्थ तल स्थित नवीन सभागार में न्याय श्रुति , ई-समन, ई-चालान सीसीटीएनएस तथा आईसीजेएस विषयों पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन एवं समन्वय दीपक कोशले, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग तथा रवि महोबिया, व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी), दुर्ग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायपालिका के समस्त न्यायिक अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यशाला में ई-कोर्ट परियोजना के अंतर्गत विकसित नवीन डिजिटल मॉड्यूलों के व्यावहारिक उपयोग, उनकी कार्यप्रणाली तथा न्यायालयीन कार्यों में उनके प्रभावी क्रियान्वयन का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान न्याय श्रुति के माध्यम से न्यायालयीन कार्यवाही के डिजिटल ट्रांसक्रिप्शन, ई-साक्ष्य द्वारा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन, ई-समन के माध्यम से समन की त्वरित एवं पारदर्शी तामील, ई-चालान प्रणाली के प्रभावी उपयोग, सीसीटीएनएस के माध्यम से पुलिस एवं न्यायालय के मध्य सूचना समन्वय तथा आईसीजेएस के माध्यम से न्यायालय, पुलिस, जेल एवं अन्य अन्वेषण एजेंसियों के बीच डिजिटल सूचना के निर्बाध आदान-प्रदान की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन किया गया।

कार्यशाला के दौरान माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी न्यायिक अधिकारियों को इन डिजिटल प्रणालियों के अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग हेतु प्रशिक्षित किया गया। साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विभिन्न मॉड्यूलों के व्यवहारिक एवं तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के. विनोद कुजूर ने अपने उद्बोधन में कहा कि - 'ई-कोर्ट परियोजना भारतीय न्यायपालिका को आधुनिक, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित न्याय व्यवस्था की ओर अग्रसर करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग न केवल न्यायिक कार्यों की गति एवं गुणवत्ता में वृद्धि करेगा, बल्कि न्यायालयों की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी, दक्ष एवं पारदर्शी भी बनाएगा। न्यायिक अधिकारियों द्वारा इन डिजिटल मॉड्यूलों का समुचित एवं नियमित उपयोग न्याय वितरण प्रणाली को नई दिशा प्रदान करेगा तथा आम नागरिकों को समयबद्ध एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के संवैधानिक उद्देश्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कोरबा रेलवे स्टेशन बदहाली का शिकारः देश को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले क्षेत्र के साथ अब भी सौतेला व्यवहार

कोरबा। कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने कोरबा रेलवे स्टेशन की बदहाल स्थिति और वर्षों से अधूरे पड़े नवनीकरण कार्य पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव, जीएम व डीआरएम बिलासपुर को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय रेल को भारी राजस्व देने वाला कोरबा आज भी रेलवे की उपेक्षा का शिकार बना हुआ है।

सांसद ज्योत्सना महंत ने कहा कि कोरबा रेलवे स्टेशन का नवनीकरण कार्य वर्षों पहले शुरू किया गया था, लेकिन आज तक पूरा नहीं हो सका। निर्माण कार्य की धीमी गति के कारण हजारों यात्रियों को रोजाना धूल, अव्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं के अभाव में यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह स्थिति रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के सरोना, चांपा और बालोद रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक स्वरूप दिया है, लेकिन कोरबा जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक और ऊर्जा नगरी के रेलवे स्टेशन की लगातार अनदेखी की जा रही है। आखिर कोरबा के यात्रियों के साथ यह भेदभाव क्यों किया जा रहा है?

सांसद ने कहा कि कोरबा रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन हजारों यात्री सफर करते हैं, लेकिन उन्हें न पर्याप्त प्रतीक्षालय मिल रहा है, न बेहतर पेयजल व्यवस्था, न स्वच्छता, न पार्किंग और न ही अन्य आवश्यक यात्री सुविधाएं। वर्षों से निर्माण कार्य अधूरा छोड़ देना जनता के साथ अन्याय है।

केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएंःसौरभ

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी करने में आज सभी 16 मंडलों के अध्यक्ष महामंत्री की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें डी एल पी तथा मन की बात तथा संगठन की तैयारी के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । बैठक में जिला महामंत्री सौरभ कोठारी ने केंद्र एवं राज्य सरकार की सभी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन में शक्ति केंद्र तथा बूथ स्तर की बैठकों को निश्चित समय पर आयोजित करें और मन की बात तथा डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम डीएलपी के विषय में सभी मंडल अध्यक्ष जागरूक रहकर आवश्यक निर्देशों का पालन करें । बैठक का संचालन जिला महामंत्री डीकेश साहू ने किया, जिला उपाध्यक्ष तरुण लहरवानी ने भी मार्गदर्शन देते हुए आभार व्यक्त किया! बैठक मे मन की बात कार्यक्रम को बूथ स्तर पर आयोजित करने का आह्वान करते हुए प्रभारी रामकुमार गुप्ता ने विस्तार से अपने विचार रखे ।

स्वास्थ्य मंत्री के विजन से बदली अस्पतालों की सूरतः खंडहर से कायाकल्प तक, रोजाना पहुंच रहे हजारों मरीज

एमसीबी। इसे सिर्फ एक प्रशासनिक बदलाव कहना गलत होगा, यह एमसीबी जिले के इतिहास की सबसे बड़ी 'स्वास्थ्य क्रांति' है। जिस जिले के सरकारी अस्पतालों का नाम सुनते ही कभी मरीज और उनके परिजन खौफ खाकर निजी अस्पतालों की ओर भागते थे, आज वहां की तस्वीर 180 डिग्री बदल चुकी है। प्रदेश के यशस्वी स्वास्थ्य मंत्री व क्षेत्रीय विधायक श्यामबिहारी जायसवाल के कड़े तेवरों और स्पष्ट विजन को धरातल पर उतारने का कारनामा कर दिखाया है जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने।

डॉ. खरे ने अपने सामूहिक नेतृत्व और अचूक रणनीतिक कौशल से स्वास्थ्य महकमे के हर छोटे-बड़े कर्मचारी में वो ऊर्जा फूंक दी है, जिससे आज जिले के अस्पतालों की ओपीडी में हर सुबह हजारों मरीजों का भरोसा मुस्कुराता हुआ नजर आता है।

असंभव को बनाया मुमकिन: चिरमिरी से खड़गवां तक

कायाकल्प :

यह कोई कागजी विकास नहीं, बल्कि जमीन पर दिखने वाला वो बदलाव है जिसे जनता खुद महसूस कर रही है:

चिरमिरी जिला अस्पताल जो कभी अव्यवस्थाओं का केंद्र था, आज वहां कॉरपोरेट स्तर की मुस्तैदी और चिकित्सा सुविधाएं मरीजों का दिल जीत रही हैं।

खड़गवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इस ग्रामीण अंचल के केंद्र को डॉ. खरे की टीम ने एक मॉडल हॉस्पिटल के रूप में री-डिजाइन कर दिया है।

मनेंद्रगढ़ का 220 बिस्तरीय अस्पताल यह विशाल अस्पताल अब जिले की रीढ़ बन चुका है, जहां चौबीसों घंटे इलाज की हाईटेक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

जब नेतृत्व में ईमानदारी हो और टीम में समर्पण, तो सबसे बदहाल व्यवस्था को भी बेहतरीन बनाया जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्री जी का निर्देश हमारे लिए आदेश था, और हमारी टीम ने उसे सच कर दिखाया।

- डॉ. अविनाश खरे, सीएमएचओ

इस पूरी सफलता की कहानी का सबसे रोमांचक मोड़ मनेंद्रगढ़ मेडिकल कॉलेज को 'नेशनल मेडिकल कमीशन' से मान्यता दिलाना है।

जब एनएमसी की केंद्रीय टीम ने शुरुआती निरीक्षण किया, तो उन्होंने व्यवस्थाओं में कमियों का एक लंबा पुलिंदा थमा दिया था। एक समय ऐसा आया जब लगा कि इस सत्र में मान्यता मिलना नामुमकिन है। लेकिन, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने इसे जिले की प्रतिष्ठा से जोड़ते हुए तुरंत एक्शन के निर्देश दिए।

रात-दिन एक कर बदला इतिहास :

मंत्री जी के भरोसे को ढाल बनाकर सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे खुद फ्रंट फुट पर आए। उन्होंने एनएमसी की गाइडलाइन को खंगाला और स्वास्थ्य विभाग के हर डॉक्टर, नर्स और प्रशासनिक कर्मचारी को एक 'इमरजेंसी टास्क फोर्स' की तरह काम पर लगा दिया।

24×7 मॉनिटरिंग: कमियों को दूर करने के लिए दिन-रात एक कर दिए गए।

शून्य त्रुटि पर काम एनएमसी ने जिन कमियों पर उंगली उठाई थी, उन्हें रिकॉर्ड तोड़ समय में विश्वस्तरीय मानकों के अनुसार दुरुस्त किया गया।

ऐतिहासिक परिणाम इसी सत्र से 50 सीटों पर डॉक्टरी की पढ़ाई।

नतीजा यह हुआ कि जब एनएमसी की टीम दोबारा आई, तो व्यवस्थाएं देखकर दंग रह गई। कमियां दूर होते ही मेडिकल कॉलेज को आधिकारिक हरी झंडी मिल गई। अब इसी शैक्षणिक सत्र से 50 सीटों पर देश के भविष्य के डॉक्टर मनेंद्रगढ़ की धरती पर अपनी पढ़ाई शुरू करेंगे।

टूट गए ओपीडी के पुराने रिकॉर्ड :

आज एमसीबी जिले के सरकारी अस्पतालों में पैर रखने की जगह नहीं होती। लेकिन यह भीड़ बदहाली की नहीं, बल्कि भरोसे की है। मुफ्त दवाइयां, आधुनिक जांच मशीनें, डॉक्टरों का सेवा भाव और साफ-सुथरा परिसर-इन सबने मिलकर निजी अस्पतालों की मनमानी पर ताला लगा दिया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का दृढ़ संकल्प और सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे का बेजोड़ क्रियान्वयन इस जुगलबंदी ने साबित कर दिया है कि अगर इरादे फौलादी हों, तो सरकारी तंत्र भी इतिहास रच सकता है।

राज्य पोषित योजनाओं एवं प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना का लाभ लेने के लिए पंजीयन अनिवार्य

जशपुरनगर। मछली पालन विभाग द्वारा संचालित राज्य पोषित योजनाओं एवं प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए मत्स्य कृषकों का एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य किया गया है। विभाग ने बताया कि मछली पालन से जुड़े व्यक्ति, समूह, समिति एवं अन्य हितग्राही कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से अथवा स्वयं एनएफडीपी पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। सीएससी के माध्यम से पंजीयन कराने पर निर्धारित शुल्क में से 20 रुपये सीएससी संचालक को तथा 80 रुपये हितग्राही को प्राप्त होंगे। एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीयन के लिए आधार से लिंक मोबाइल नंबर एवं बैंक खाता होना आवश्यक है।

पंजीयन से संबंधित विकासखंड के मत्स्य विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है।

पत्थलगांव में सहायक मत्स्य अधिकारी रविशंकर, मोबाइल 9244520073, कुनकुरी एवं दुलदुला में सहायक मत्स्य अधिकारी कु. शीला मिंज, मोबाइल 7746839457, जशपुर में सहायक मत्स्य निरीक्षक अरविंद डनसेना, मोबाइल 9887299753, मनोरा में मत्स्य निरीक्षक कु. इन्द्राणी साह मोबाइलरू9827890842, बगीचा में मत्स्य निरीक्षक अभिनीत कुमार सिंह, मोबाइल 7999565025, कांसाबेल में मत्स्य निरीक्षक कु. अम्बिका पैंकरा मोबाइल 8224835485, फरसाबहार में मत्स्य निरीक्षक कु. श्वेता प्रधान, मोबाइल : 7247071600। मछली पालन विभाग ने जिले के सभी पात्र मत्स्य कृषकों से अपील की है कि वे शीघ्र एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीयन कराकर विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

जिले में अब तक 336.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 19 जुलाई 2026 तक 336.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 462.1 मिमी तहसील बोरी में तथा न्यूनतम 230.7 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 363.7 मिमी, तहसील पाटन में 375.6 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 304.1 मिमी और तहसील अहिवारा में 283.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 19 जुलाई 2026 को तहसील दुर्ग में 6.4 मिमी, तहसील धमधा में 2.7 मिमी, तहसील पाटन में 16.2 मिमी, तहसील बोरी में 3.0 मिमी, तहसील भिलाई-03 में 2.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

आधुनिक कृषि तकनीक से चमकेगी किसान की किस्मत, मूंग की कतारबद्ध बुवाई से बंपर पैदावार की उम्मीद

अम्बिकापुर। कृषि विभाग की आत्मा योजना के अंतर्गत किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों से जोड़ने तथा उन्नत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में एक किसान को आत्मा योजना के तहत एटीएम (कृषि तकनीकी प्रबंधक) अंजू आदिले एवं बीटीएम (ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक) कंचन कुशवाहा द्वारा मूंग की उन्नत किस्म जीएएम-5 (व्रूरू-5) का निःशुल्क बीज उपलब्ध कराया गया।

किसान ने प्राप्त बीज की अपने खेत में एटीएम एवं बीटीएम के मार्गदर्शन में पंक्तिबद्ध (लाइन सोइंग) पद्धति से बुवाई की। इस दौरान अधिकारियों ने खेत की तैयारी, बीज उपचार, उचित दूरी पर बुवाई तथा फसल प्रबंधन की तकनीकी जानकारी भी दी।

किसान ने बताया कि परंपरागत खेती की तुलना में लाइन सोइंग पद्धति अधिक लाभकारी है। इस तकनीक से पौधों का समान विकास होता है, फसल की देखरेख आसान रहती है तथा पौधों को पर्याप्त धूप एवं वायु मिलने से कीट एवं रोगों का प्रकोप कम होने की संभावना रहती है। इससे उत्पादन एवं गुणवत्ता में भी वृद्धि होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि मूंग कम अवधि में तैयार होने वाली लाभकारी दलहनी फसल है, जो कम लागत में बेहतर आय देने की क्षमता रखती है। आत्मा योजना के माध्यम से निःशुल्क उन्नत बीज एवं तकनीकी मार्गदर्शन मिलने से आधुनिक खेती अपनाने का विश्वास बढ़ा है।

किसान ने कृषि विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारियों के निरंतर मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन से किसान नई कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। उन्हें विश्वास है कि इस तकनीक से बेहतर उत्पादन प्राप्त होगा और यह पहल क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

मुख्यमंत्री साय की पहल : सीएम हेल्पलाइन दिव्यांगों के लिए बनी सुविधाजनक

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सीएम हेल्पलाइन प्रदेश के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों और जरूरतमंद लोगों के लिए यह व्यवस्था राहत और विश्वास का केंद्र साबित हो रही है। सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से वर्षों से लंबित मामलों का भी समयबद्ध निराकरण किया जा रहा है।

ऐसा ही एक मामला जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी निवासी प्रमनाथ मिर्रे का है। पेंशन शुरू कराने के लिए लगातार प्रयासों के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा था।

आखिरकार उनके पुत्र प्रताप मिर्रे ने 20 जून को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। परिणामस्वरूप महज 12 दिनों के भीतर उनकी शिकायत का निराकरण कर दिया गया और प्रमनाथ मिर्रे को दिव्यांग पेंशन का लाभ मिलना शुरू हो गया।

हरी खाद, वर्मी कम्पोस्ट और जैविक खाद के उपयोग के लिए किसानों को किया जा रहा प्रोत्साहित

जशपुरनगर । जिले में मृदा स्वास्थ्य सुधार, भूमि की उर्वराशक्ति बनाए रखने और मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा लगातार विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। किसानों को हरी खाद, जैविक खाद और मृदा परीक्षण आधारित संतुलित उर्वरक उपयोग के लिए नियमित रूप से प्रोत्साहित एवं जागरूक किया जा रहा है। उप संचालक कृषि जशपुर ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा मृदा स्वास्थ्य सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को हरी खाद के रूप में ढैंचा, सनई सहित अन्य उपयुक्त फसलों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। हरी खाद के उपयोग से मिट्टी में जैविक पदार्थों और जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ाने में सहायता मिलती है। इसके साथ ही भूमि की संरचना एवं उर्वराशक्ति में सुधार होता है और लंबे समय में रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिलती है। वर्तमान में राज्य शासन द्वारा संचालित हरी खाद कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को हरी खाद अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य मृदा में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ाना, भूमि की उत्पादन क्षमता को बनाए रखना तथा टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल खेती को बढ़ावा देना है।

विभाग द्वारा किसानों को गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट और अन्य जैविक खादों के अधिकाधिक उपयोग के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही फसल अवशेषों को जलाने के बजाय खेतों में समावेशित करने के संबंध में किसानों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि मिट्टी में जैविक तत्वों की मात्रा बढ़े और भूमि की उर्वराशक्ति दीर्घकाल तक बनी रहे। कृषि विभाग द्वारा नियमित रूप से प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को संतुलित और मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक उपयोग के संबंध में जानकारी दी जा रही है। विभाग का उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि जैविक एवं रासायनिक स्रोतों के वैज्ञानिक और संतुलित उपयोग के माध्यम से समेकित पोषक तत्व प्रबंधन को प्रोत्साहित करना है।

जिले में मृदा परीक्षण के आधार पर किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किए जाते हैं। इसमें संबंधित खेत की मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों की स्थिति के अनुसार उर्वरकों एवं अन्य पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग की अनुशंसा की जाती है। इससे किसान आवश्यकता के अनुरूप उर्वरकों का उपयोग कर सकते हैं और अनावश्यक अथवा असंतुलित उपयोग से बच सकते हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से किसानों को यह समझने में भी सहायता मिलती है कि उनके खेत की मिट्टी को किन पोषक तत्वों की आवश्यकता है।

कलेक्टर ने कार्यक्रम तैयारी का निरीक्षण किया

दुर्ग। जिले के पाटन विकासखंड अंतर्गत जामगांव (एम) के स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विधालय में 20 जुलाई को राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव सत्र 2026-27 का आयोजन किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की तैयारी का आज कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर मंच, बैठक व्यवस्था, ग्रीन रूम, सामग्री वितरण स्टॉल और स्कूल में लैब एवं अन्य तैयारी का जायजा लिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर एडीएम श्री वीरेंद्र सिंह, जिला पंचायत के सीईओ श्री बी.के. दुबे, एसडीएम श्री लवकेश ध्रुव एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद मिश्रा, लोक निर्माण विभाग के ईई श्री भट्टाचार्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निःशुल्क ऑनलाइन भाषा कक्षाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति और भाषा संरक्षण का अनूठा अभियान

रायगढ़। भारतीय संस्कृति, भाषा और ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से सामाजिक संगठन सुख-दुःख के साथी (विप्र परिवार) द्वारा संस्कृत, हिन्दी और अंग्रेज़ी की निःशुल्क ऑनलाइन भाषा कक्षाओं के शुभारंभ की घोषणा को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगठन के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य और समाज में इसकी आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। यह जानकारी संगठन द्वारा जारी कार्यक्रम विवरण के अनुरूप साझा की गई, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए निःशुल्क ऑनलाइन भाषा कक्षाओं की शुरुआत का उल्लेख है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत बार एसोसिएशन रायगढ़ के अध्यक्ष लालमणि त्रिपाठी, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुभाष पाण्डेय, सुख-दुःख के साथी (विप्र परिवार) के अध्यक्ष सुरेश कुमार दुबे, समाज के वरिष्ठ सदस्य प्रशांत पाण्डेय तथा कार्यक्रम संयोजक भानु प्रताप मिश्र द्वारा पत्रकारों का स्वागत एवं अपने-अपने परिचय के साथ हुई। इसके पश्चात कार्यक्रम संयोजक भानु प्रताप मिश्र ने संगठन की ओर से प्रस्तावित निःशुल्क ऑनलाइन भाषा कक्षाओं की पूरी अवधारणा पत्रकारों के समक्ष विस्तार से रखी।

उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, ज्ञान और सभ्यता को पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित करने का सबसे सशक्त आधार है। इसी उद्देश्य से सुख-दुःख के साथी (विप्र परिवार) द्वारा संस्कृत, हिन्दी और अंग्रेज़ी जैसी तीन महत्वपूर्ण भाषाओं का निःशुल्क ऑनलाइन शिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थी, युवा, महिलाएं, वरिष्ठजन तथा भाषा सीखने के इच्छुक सभी लोग घर बैठे इन भाषाओं का अध्ययन कर सकें। संगठन ने स्पष्ट किया कि इन कक्षाओं में प्रवेश के लिए किसी आयु सीमा का बंधन नहीं रखा गया है तथा इच्छुक व्यक्ति गूगल फॉर्म के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं।

भानु प्रताप मिश्र ने कहा कि भारतीय समाज का भविष्य तभी सुदृढ़ हो सकता है, जब नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ी रहे। आधुनिक शिक्षा और तकनीक के इस युग में वैश्विक भाषा के रूप में अंग्रेज़ी का महत्व स्वीकार्य है, वहीं राष्ट्र की आत्मा और सांस्कृतिक चेतना को समझने के लिए संस्कृत और हिन्दी का अध्ययन भी उतना ही आवश्यक है। इसी सोच के साथ संगठन समाज के प्रत्येक वर्ग तक भाषा शिक्षा पहुँचाने का प्रयास कर रहा है। प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों ने विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनमें सबसे प्रमुख प्रश्न संस्कृत भाषा की वर्तमान समय में उपयोगिता को लेकर रहा। इस पर कार्यक्रम संयोजक भानु प्रताप मिश्र ने विस्तार से उत्तर देते हुए कहा कि भारतीय दर्शन, संस्कृति और आध्यात्मिक चिंतन की संपूर्ण आधारशिला संस्कृत भाषा पर आधारित है। भारत के महान ग्रंथ—वेद, ब्राह्मण, अरण्यक, उपनिषद, वेदांग, स्मृतियाँ तथा महाकाव्य—सभी मूल रूप से संस्कृत में रचित हैं। इन ग्रंथों ने केवल धार्मिक और आध्यात्मिक विचार ही नहीं दिए,

राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित हुईं शिक्षिका मृदुला झा

रायपुर। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचारी शिक्षण पद्धतियों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले की शिक्षिका श्रीमती मृदुला झा को 'स्व. श्री हरिवंश मिश्र राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 15 जुलाई 2026 को रायपुर के शांति नगर स्थित विमतारा में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया।

मृदुला झा वर्तमान में शासकीय प्राथमिक शाला, गुरुघासीदास नगर, गुढ़ियारी (रायपुर) में सहायक शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार आधारित शिक्षण, बाल-केंद्रित गतिविधियों, नैतिक मूल्यों के विकास, डिजिटल शिक्षा के प्रभावी उपयोग तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. हिमांशु द्विवेदी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एन.आर. स्टील, रायगढ़ के संस्थापक एवं शिक्षाविद् संजय अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष (भाषा विज्ञान) एवं रेल मंत्रालय के राजभाषा हिंदी सलाहकार डॉ. चितरंजन कर तथा राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पूर्णानंद मिश्रा उपस्थित रहे।

संस्था के अनुसार, इस वर्ष देशभर से लगभग 700 आवेदन प्राप्त हुए थे। निर्धारित मानकों के आधार पर विशेषज्ञों द्वारा सभी आवेदनों का गहन मूल्यांकन एवं भौतिक सत्यापन किया गया। निष्पक्ष और पारदर्शी चयन प्रक्रिया के बाद विभिन्न राज्यों के 250 उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान के लिए किया गया, जिनमें रायपुर जिले से श्रीमती मृदुला झा का चयन विशेष उपलब्धि माना जा रहा है।

साय सरकार के सुशासन में अवैध खनिज कारोबार पर सख्त प्रहार

रायपुर। प्रदेश सरकार प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पारदर्शी खनिज प्रबंधन तथा अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार सख्त कदम उठा रही है। इसी नीति के अनुरूप कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। जिला खनिज उड़नदस्ता दल की सतत निगरानी और सघन जांच अभियान के तहत अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त 1 टिप्पर एवं 3 ट्रैक्टर जब्त किए गए हैं। जिला खनिज उड़नदस्ता दल द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में की गई जांच के दौरान सिलपहरी क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए 2 ट्रैक्टर, सधवानी क्षेत्र से खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए 1 ट्रैक्टर तथा भदौरा क्षेत्र से खनिज मिट्टी-मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए 1 टिप्पर जब्त किया गया।

धुरली और हिरोली में बस्तर सांसद ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने शनिवार को दंतेवाड़ा जिले के ग्राम धुरली और हिरोली में एनएमडीसी लिमिटेड, किरंदुल कॉम्प्लेक्स के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) मद से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। धुरली में 33 करोड़ 60 लाख रुपये तथा हिरोली क्षेत्र में लगभग साढ़े 10 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों की शुरुआत हुई।

ग्राम धुरली में सड़क निर्माण, सोलर हाईमास्ट, सोलर ड्यूल पंप और स्ट्रीट लाइट सहित विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर बस्तर सांसद कश्यप ने कहा कि सीएसआर और जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) की राशि का उपयोग क्षेत्र के विकास और जनहित के कार्यों में पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

महेश कश्यप ने कहा कि बस्तर में सड़क, रेल, स्वास्थ्य और अन्य आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2031 तक बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनाना है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति स्थापित करने के साथ ही विकास कार्यों को भी गति दी जा रही है।

ग्राम हिरोली में आयोजित कार्यक्रम में सांसद कश्यप ने आदर्श ग्राम हिरोली, समलवार और चोलनार में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन कार्यों में 17 सीसी सड़कें, 15 सोलर हाईमास्ट, 24 सोलर ड्यूल पंप और 3 सोलर स्ट्रीट लाइट शामिल हैं।

क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल

सांसद ने कहा कि लंबे समय तक विकास से वंचित रहे इन ग्रामीण क्षेत्रों में अब सड़क, पेयजल, प्रकाश और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। यह क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के साथ सीएसआर और डीएमएफ मद के माध्यम से विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है।

कार्यक्रम में एनएमडीसी के महाप्रबंधक कोड़ली श्रीधर ने एनएमडीसी द्वारा सीएसआर मद से किए गए विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। स्थानीय युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए कबड्डी सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने की भी जानकारी दी गई।

जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी और उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम ने क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए बस्तर सांसद और एनएमडीसी प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती तिलेश्वरी नागेश सहित अन्य जनप्रतिनिधि, एनएमडीसी के अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी और ग्रामीण उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत में 44 प्रकरणों का निराकरण किया

अम्बिकापुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश ध् अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री शक्ति सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में 18 जुलाई 2026 को धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 (चेक अनादरण प्रकरण) से संबंधित मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण के उद्देश्य से प्रथम बार विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया।

विशेष लोक अदालत का शुभारंभ छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मुख्य संरक्षक द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया।जिले में आयोजित विशेष लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के प्रकरणों के आपसी राजीनामा के माध्यम से निराकरण हेतु विशेष खण्डपीठों का गठन किया गया। स्पेशल नेशनल लोक अदालत के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय अम्बिकापुर एवं व्यवहार न्यायालय सीतापुर में कुल 34 प्रकरणों का निराकरण किया गया। विशेष लोक अदालत में खंडपीठ क्रमांक-02 तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी अम्बिकापुर गिरिवर सिंह राजपूत के खण्डपीठ के समक्ष रखे प्रकरणों में से एक प्रकरण में परिवादी ने अनावेदक को एक लाख पचास हजार रुपये का ऋण दिया था, जिसके भुगतान के लिए अनावेदक ने चेक क्रमांक 000010 राशि 75 हजार रुपये भरकर परिवादी को दिया था, जो कि खाते में पर्याप्त रुपये नहीं होने के कारण अनादरित हो गया। चेक अनादरण होने पर परिवादी द्वारा प्रकरण न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। दोनों पक्षकार के मध्य घनिष्ठ संबंध था, परंतु पैसे की लेनदेन को लेकर मन मुटाव हो गया और दोनों पक्ष के रिश्ते खराब हो रहे थे। दोनों पक्षों को न्यायालय द्वारा इस विशेष लोक अदालत में उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया गया था, जिसके बाद परिवादी और अनावेदक विशेष लोक अदालत में उपस्थित हुए। उपस्थित होने पर उभयपक्ष को अपने मन मुटाव समाप्त कर राजीनामा के लिये समझाईश दी गई,

राजमेरगढ़ बनेगा छत्तीसगढ़ का नया पर्यटन आकर्षण

रायपुर। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में जिला प्रशासन ने ठोस पहल तेज कर दी है। कलेक्टर विजय दयाराम के. स्वयं मैदान में उतरकर जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने राजमेरगढ़ का विस्तृत भ्रमण कर निर्माणाधीन बैगा कुटीर सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया तथा पर्यटन अधोसंरचना को अधिक आकर्षक, सुविधायुक्त और स्थानीय संस्कृति के अनुरूप विकसित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने राजमेरगढ़ पहाड़ की चोटी पर निर्माणाधीन बैगा कुटीर का अवलोकन करते हुए कहा कि इसका निर्माण प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप आकर्षक, पारंपरिक और हवादार स्वरूप में किया जाए, ताकि यह बैगा जनजातीय संस्कृति और स्थानीय पहचान का सशक्त प्रतीक बन सके। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले पर्यटकों को बैगा समाज की समृद्ध परंपराओं, संस्कृति और जीवन शैली से परिचित कराने का यह महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। आगामी सावन माह में ज्वालेश्वर धाम में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संभावित बढ़ती संख्या को देखते हुए उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ज्वालेश्वर धाम, माई का मड़वा, दुर्गाधारा तथा ठाड़ पथरा जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का भी अवलोकन किया। उन्होंने वहां विकसित पर्यटन अधोसंरचना, मूलभूत सुविधाओं और पर्यटकों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार एवं सुदृढ़ीकरण के निर्देश दिए।

जीवन में अनुशासन और 'यश बॉस' का भाव ही सफलता की कुंजी मुनि : मुनि आगम सागर

रायपुर। 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद, दिगंबर मुनि आगम सागर महाराज ससंघ का 'नवोदय तीर्थ वर्षायोग 2026 हेतु दिगंबर जैन बड़ा मंदिर मालवीय रोड में भव्य मंगल प्रवेश प्रात: 8 बजे हुआ।

दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर के मैनेजिंग ट्रस्टी एवं वर्षायोग 2026 के अध्यक्ष नरेंद्र जैन गुरु कृपा एवं मंदिर कार्यकारणी के अध्यक्ष एवं वर्षायोग 2026 के कार्यकारी अध्यक्ष संजय नायक जैन ने बताया कि आज सुबह मुनि संघ की भव्य मंगल आगवानी के लिए समस्त सकल दिगंबर जैन समाज बड़ा मंदिर ने भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया। जिसमें भक्तिमय वातावरण में बाजे गाजे से ,मार्ग में सुंदर रंगोली सजाकर,सर पर कलश लिए,धर्म ध्वजा लहराकर, जयकारों के बीच मुनि आगम

सागर महाराज,मुनि पुनीत सागर महाराज, धैर्य सागर महाराज, स्वागत सागर महाराज ससंघ की आगवानी की गई। केसरिया रंग में रंगे समाज बंधुओं, जयकारों की गूँज और गुरुदेव के दिव्य दर्शन ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। आज का दृश्य वास्तव में अलौकिक था!

दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, मालवीय रोड में आयोजित धर्मसभा में मुनि पुनीत सागर महाराज ने अपने प्रवचन में श्रावकों को एकता और समय के सदुपयोग का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

मुनिश्री ने प्रवचन में एकता के महत्व पर बल देते हुए कहा, 'कलऊ एकता बलम' अर्थात कलयुग में एकता ही सबसे बड़ा बल है। उन्होंने कहा कि इस कलिकाल में एकता ही व्यक्ति का संबल है और समाज में एकता बनाए रखने से ही हमारी संस्कृति सुरक्षित रहती है। मुनिश्री ने रूपक का प्रयोग करते हुए कहा, 'हम एक पहिया हैं और आप दूसरा पहिया हैं। जब आप सभी ने समाज में एकता का परिचय दिया, तभी आचार्यश्री का लघु तीर्थ का पावन आशीर्वाद हमें प्राप्त हुआ।' उन्होंने स्पष्ट किया कि बड़ा मंदिर एक मुख्य स्तंभ है और बाकी सब उसकी शाखाएं हैं, इसलिए सभी को संगठित रहना चाहिए।

धमतरी के 'पैक्स आधारित ड्रोन कृषि मॉडल' की दिल्ली-कोलकाता तक गूंज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कृषि क्षेत्र में हो रहे आधुनिक नवाचारों को एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर बड़ी पहचान मिली है। धमतरी जिले में कलेक्टर के मार्गदर्शन में विकसित किए गए देश के पहले प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति आधारित ड्रोन कृषि सेवा मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। कोलकाता में आयोजित कॉमन सर्विस सेंटर ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के 17वें स्थापना दिवस समारोह में इस मॉडल को ग्रामीण भारत में कृषि आधुनिकीकरण का एक अनुकरणीय उदाहरण माना गया।

समारोह के दौरान 'बेहतर कृषि सेवाओं की उपलब्धता के लिए पैक्स 3 का सशक्तिकरण' विषय पर एक उच्च स्तरीय पैनल चर्चा आयोजित की गई। इसमें धमतरी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बतौर मुख्य वक्ता जिले के इस सफल मॉडल और भविष्य के रोडमैप को देश के कृषि व सहकारिता विशेषज्ञों के सामने विस्तार से प्रस्तुत किया।

इस चर्चा में पश्चिम बंगाल सरकार के सहकारिता विभाग के विशेष रजिस्ट्रार पार्थ बसु, वॉव गो ग्रीन-ड्रोन के एमडी डॉ. शंकर गोयनका और इफको एमसी एग्रोकेमिकल्स के सीईओ मनोज वार्ष्णेय सहित देश के कई दिग्गज नीति निर्धारकों ने हिस्सा लिया और धमतरी के इस मॉडल को सराहा। उल्लेखनीय है कि धमतरी देश का पहला ऐसा जिला है, जिसने सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को सीधे ड्रोन सेवाएं उपलब्ध कराई हैं। पिछले माह लोहरसी समिति में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में इसका सफल प्रदर्शन किया गया था।

बैगा आदिवासियों ने मनाया उपमुख्यमंत्री का जन्मदिन

बोड़ला। कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल में स्थित ग्राम पंचायत बाँटीपथरा का आश्रित ग्राम 'पड़ियाधरान'। यहाँ की हवाओं में इस बार एक अलग ही उत्साह था। मौका था प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और कवर्धा के लोकप्रिय विधायक विजय शर्मा का जन्मदिन, जिसे यहाँ के विशेष संरक्षित जनजाति (क्क्ङ्कअत्तह्य) बैगा समुदाय ने अपनी माटी की सुगंध और अटूट प्रेम के साथ 'इको-फ्रेंडली' रूप में मनाकर मिसाल पेश की।

प्रकृति की गोद में सजा उत्सव

यह जन्मदिन किसी दिखावे का नहीं, बल्कि सादगी और अपनत्व का संगम था। गाँव के लोगों ने एक दिन पहले से ही इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। सुबह होते ही गाँव के महिला-पुरुष और बच्चे एकजुट होकर जंगलों से माहुल के पत्ते चुनकर लाए। अपने हाथों से दोना-पतरी बनाई और चूल्हे पर पारंपरिक विधि से खीर-पुड़ी के पकवान तैयार किए। जंगल की हरियाली के बीच, इन ग्रामीणों ने जिस आत्मीयता से अपने जन-प्रतिनिधि के लिए मंगल कामनाएं कीं, वह दृश्य वाकई अलौकिक और हृदय को छू लेने वाला था।

विकास और विश्वास की कहानी

इस उत्सव में शामिल युवा समाजसेवी चंद्रकांत यादव और उनकी ग्रामोदय संस्था की टीम ने भी उपमुख्यमंत्री के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। ग्रामीणों ने चर्चा की कि कैसे विजय शर्मा के नेतृत्व में उनके सपनों को पंख मिल रहे हैं। पड़ियाधरान गाँव के लिए यह दिन सिर्फ एक जन्मदिन नहीं था, बल्कि विकास के उन कदमों का जश्न था जो उनके जीवन को बदल रहे हैं। गाँव के 30 परिवारों के लिए यह खुशी दोगुनी थी, क्योंकि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत उन सभी 30 परिवारों को पक्के आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। उन कच्चे घरों में रहने वाले परिवारों के लिए, जिनके अब अपने पक्के मकान बन रहे हैं, विजय शर्मा का जन्मदिन उनके घर के आंगन में खुशहाली का उत्सव मनाने जैसा था।

जन-जन की भावनाएं

इस ऐतिहासिक पल में ग्रामीणों ने कहा, 'विजय भैया हमारे लिए सिर्फ एक नेता नहीं, हमारे सुख-दुख के साथी हैं। उनके दीर्घायु होने की कामना हमने सच्चे मन से प्रकृति के सानिध्य में की है।' प्रकृति के प्रति प्रेम और अपने जन-प्रतिनिधि के प्रति श्रद्धा का यह अनूठा संगम कवर्धा की इस छोटी सी बस्ती से पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरक संदेश दे गया।

क्यों बच्चे 'थैंक यू' और 'प्लीज' कहने से इनकार कर रहे हैं?

ज्यादातर पैरेंट्स, चाहे उच्च शिक्षित हों या नहीं, अकसर बच्चों को समझाते हैं कि 'अच्छे संस्कारों में कुछ खर्च नहीं होता।' लेकिन हाल ही में जेन-जी ने मुझे सिखाया कि 'ये विनम्र शब्द इस्तेमाल करने की कीमत शायद धरती को चुकानी पड़ती है।' सोच रहे हैं इसका क्या मतलब है? तो आगे पढ़िए।

यह सबक मैंने मुश्किल से सीखा। एक सार्वजनिक जगह पर खड़े हुए मैंने ऑटो किराया चुकाने में एक जेन-जी युवक की मदद की। उसके पास चेंज नहीं थे तो मैंने दिए, क्योंकि ऑटो ड्राइवर के पास डिजिटल सुविधा नहीं थी। पेमेंट करने के बाद युवक ने 'थैंक यू' तक नहीं कहा और चला गया।

उसे सुनाने के लिए मैं थोड़ी ऊंची आवाज में अपने दोस्त से बोला कि 'देखो, आज की पीढ़ी बुनियादी शिष्टाचार भी भूल गई है। क्या वह थैंक यू भी नहीं कह सकता था?' वह युवक तुरंत मुड़ा और लौटकर बोला, 'थैंक यू अंकल। बात इरादे की नहीं है।

धीरे-धीरे हमारी आदत 'थैंक यू' या 'प्लीज' न कहने की हो रही है, क्योंकि सच में मैं भूल गया था कि मैं किसी एआई से नहीं बल्कि इंसान से बात कर रहा हूं।' जब मैंने कहा, 'सॉरी, मैं समझा नहीं' तो उसने एक दिलचस्प स्पष्टीकरण दिया। उसने कहा कि उनकी पीढ़ी के लिए उन आदतों को छोड़ना मुश्किल हो रहा है, जिन्हें सिखाने में पैरेंट्स ने वर्षों लगाए थे।

वह मुस्कुरा कर बोला, 'आपकी पीढ़ी ने हमें सफलतापूर्वक सिखाया कि अपने पालतू डॉग को खाने के लिए कहते वक्त भी 'प्लीज' कहो। हाउसहोल्ड हैल्पर पानी का गिलास दे तो उसे भी 'थैंक यू' कहो। लेकिन अब यही आदतें चैटजीपीटी, जेमिनी और दूसरे एआई चैटबॉट्स में भी हमारे साथ चल रही हैं। लेकिन हर अतिरिक्त शब्द का मतलब है ज्यादा प्रोसेसिंग, यानी ज्यादा बिजली खपत और पर्यावरण पर अधिक बड़ा असर।' हैरानी की बात है कि उसकी बात में पॉइंट था।

यूनाइटेड नेशंस की एक हालिया रिपोर्ट ने भी यही चिंता जताई है। इसके अनुसार, व्यक्तिगत तौर पर एआई प्रॉम्प्ट में 'प्लीज' या 'थैंक यू' जोड़ने का असर मामूली होता है। लेकिन जब यही हर दिन अरबों एआई इंटरैक्शन में दोहराया जाता है तो उसका पर्यावरणीय प्रभाव उल्लेखनीय हो जाता है।

चैटजीपीटी के उपयोग के आंकड़ों के आधारित रिपोर्ट का अनुमान है कि यदि प्रॉम्प्ट से केवल 'प्लीज' हटा दें तो सालाना करीब 1.8 गीगावॉट-घंटे बिजली बचाई जा सकती है। अभी तक यह सार्वजनिक आंकड़ा नहीं है कि एआई कंपनियां सवालों को प्रोसेस करने में कितनी बिजली खर्च करती हैं या कितने प्रॉम्प्ट 'प्लीज' से शुरू होते हैं। हालांकि, यूनाइटेड नेशंस की रिपोर्ट का अनुमान है कि एक सामान्य चैटजीपीटी रिक्वेस्ट लगभग 0.42 वॉट-घंटे बिजली खपत करता है, जो 10 वॉट के एलईडी बल्ब को लगभग ढाई मिनट तक जलाने के लिए पर्याप्त है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो यह पैमाना चौंकाने वाला है। अकेला चैटजीपीटी हर दिन अनुमानित 2.5 अरब से अधिक प्रॉम्प्ट प्रोसेस करता है। इसमें जेमिनी, क्लॉड, कोपायलट और अन्य एआई सिस्टमों की रिक्वेस्ट भी जोडें तो संख्या कहीं ज्यादा बड़ी हो जाती है। ऐसे में हर प्रॉम्प्ट पर बहुत छोटी बचत भी एकसाथ मिलकर बेहद फायदेमंद हो सकती है।

कहानी यहां एक और दिलचस्प मोड़ लेती है। टेकराडार द्वारा अमेरिका और ब्रिटेन के एक हजार लोगों पर किए सर्वे में पाया गया कि 71% ब्रिटिश यूजर्स एआई चैटबॉट्स के साथ विनम्र रहते हैं। जबकि अमेरिकियों में यह आंकड़ा 67% था।

जब उनसे पूछा कि वे ऐसी मशीनों के साथ शिष्टाचार क्यों दिखाते हैं, जो न इसकी सराहना करती हैं और न अपेक्षा रखती हैं तो कई लोगों ने मजाक में कहा कि वे भविष्य के 'रोबोट अपराइजिंग' की तैयारी कर रहे हैं।

मेडिकल सीटों के बढ़ने से मिलेंगे ज्यादा डॉक्टर

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

छत्तीसगढ़ में हाल ही में नए मेडिकल कॉलेज खुलने के साथ ही नए और पुराने मेडिकल कॉलेजों में सीटें भी बढ़ाई गई हैं। प्रदेश को आगामी पांच वर्ष में 2925 नए डॉक्टर मिलेंगे, जो यहीं के मेडिकल कॉलेजों से पढ़कर निकले होंगे। यह सुखद खबर इस मायने में भी है कि कॉलेजों की संख्या बढ़कर 21 हो गई, जिनमें 15 मेडिकल कॉलेज सरकारी और 6 मेडिकल कॉलेज निजी हैं। मेडिकल की कुल सीटें भी 100 से बढ़कर अब 2925 हो गई हैं।

नए मेडिकल कॉलेज खोलने और सीटों में वृद्धि करने की यह कवायद जनसंख्या के हिसाब से डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए है। क्योंकि प्रदेश में जनसंख्या के हिसाब से डॉक्टरों की उपलब्धता बहुत ही कम है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में डॉक्टर-जनसंख्या का राष्ट्रीय अनुपात 1:811 है, वहीं छत्तीसगढ़ में 1:2492 है। प्रदेश का यह आंकड़ा चिंताजनक है। नए मेडिकल कॉलेज खुलने और सीटों के बढ़ने से भविष्य में कुछ हद तक इस चिंता का निराकरण हो जाएगा।

इन सबके अलावा भी

प्रदेश में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ जाएगी।

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय 1 नवंबर 2000 की तरफ देखें, तो तब प्रदेश में इकलौता रायपुर का नेहरू मेडिकल कॉलेज था, जोकि अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से ही था। यहां 100 सीटें थीं। सरकारों के प्रयासों से प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा उछाल आया। हाल ही में प्रदेश को 5 सरकारी और 1 निजी मेडिकल कॉलेज मिले हैं। इसके साथ ही इन 26 वर्षों में प्रदेश में मेडिकल सरकार के सामने कुछ चुनौतियां हैं। ये हैं मेडिकल कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण अध्ययन-अध्यापन की। इन मेडिकल कॉलेजों से अच्छे डॉक्टर तभी मिल सकेंगे, जब वहां अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर हो और टीचिंग स्टाफ भी पर्याप्त हो। मेडिकल एक्सपर्ट्स की मानें तो सरकार का पूरा फोकस क्वालिटी एजुकेशन पर होना चाहिए। मेडिकल छात्रों को जब अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर, अच्छी फैकल्टी और क्वालिटी एजुकेशन मिलेगा, तभी भविष्य में वे प्रदेश की सेहत ठीक कर सकेंगे।

सर्कुलर इकोनॉमी को प्रभावी बनाने में ब्लॉकचेन महत्वपूर्ण

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि जिसे आज हम कबाड़ अथवा कचरा समझकर त्याग देते हैं, वही वास्तव में भविष्य की अर्थव्यवस्था का एक अमूल्य संसाधन है। लंबे समय तक हमारी अर्थव्यवस्था 'लीनियर मॉडल' पर आधारित रही है, जिसमें प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, उत्पादों का अनवरत निर्माण, उनका निरंतर उपयोग और अंततः उनका निस्तारण सम्मिलित था। निःसंदेह इस मॉडल ने जहां एक ओर औद्योगिक विकास को तो गति प्रदान की, परंतु दूसरी ओर इसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक संसाधनों का निरंतर क्षय, बढ़ता प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर वैश्विक चुनौतियां भी देखने को मिली।

परंतु अब समय एक नई आर्थिक सोच की स्वीकार्यता का है, जहां किसी उत्पाद का जीवनकाल केवल उसके उपयोग तक ही सीमित नहीं रहता, अपितु उसकी मरम्मत, पुनः उपयोग, पुनर्निर्माण और पुनर्चक्रण के माध्यम से उसे पुनः उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाता है। इसी सतत एवं संसाधन-कुशल आर्थिक मॉडल को 'सर्कुलर इकोनॉमी' भी कहा जाता है।

इसे प्रभावी, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने में ब्लॉकचेन तकनीक सशक्त डिजिटल आधार के रूप में उभर रही है। यह उत्पादों और कच्चे माल की पूरी यात्रा का सुरक्षित एवं अपरिवर्तनीय डिजिटल रेकॉर्ड तैयार कर संसाधनों की ट्रेसेबिलिटी, आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शिता और पुनर्चक्रण की विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है। दूरसंचार विभाग, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नीति आयोग और उद्योग जगत तक ने ब्लॉकचेन, एआइ और डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी तकनीकों के प्रयोग को सर्कुलर इकोनॉमी के लिए प्रभावी बताया है। भारत में तेजी से बढ़ते औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और बढ़ती जनसंख्या के चलते संसाधनों पर दबाव महसूस किया जा रहा है। नीति आयोग एवं द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट के अनुसार, 2024 में 6.19 मिलियन मीट्रिक टन ई-कचरा उत्पन्न हुआ, जो 2030 तक 14 मिलियन मीट्रिक टन होने का अनुमान है। लिथियम-आयन बैटरियों की मांग 2035 तक 248 गीगावाट-घंटे हो सकती है। वहीं, अनुपयोगी वाहनों की संख्या 2030 तक 5 करोड़ से अधिक होने की संभावना है। इनका प्रबंधन एवं पुनर्चक्रण पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक संभावनाएं पैदा कर सकता है।

ब्लॉकचेन तकनीक सर्कुलर इकोनॉमी को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाती है। यह उत्पादों के कच्चे माल से लेकर पुनर्चक्रण तक का सुरक्षित डिजिटल रेकॉर्ड रखती है, जिससे पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण, संसाधनों का संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन में कमी संभव होती है। नीति आयोग ने ई-कचरे और लिथियम-आयन बैटरियों के लिए सर्कुलर इकोनॉमी रोडमैप तैयार किया है। भारत सरकार द्वारा लागू एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी व्यवस्था के तहत कंपनियों को अपने उत्पादों के उपयोग के बाद उत्पन्न कचरे के संग्रह और पुनर्चक्रण का दायित्व दिया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस व्यवस्था को ब्लॉकचेन से जोड़ा जाए तो प्रक्रिया पारदर्शी बन जाएगी। परंतु भारत में छोटे एवं मध्यम उद्योगों के लिए इस तकनीक की उच्च लागत, प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी तथा विभागों के बीच डेटा मानकीकरण जैसी चुनौतियां हैं। निःसंदेह नीति निर्धारकों को इनके समाधान खोजने होंगे।

बाल मनोविज्ञान की अनदेखी के चिंताजनक संकेत

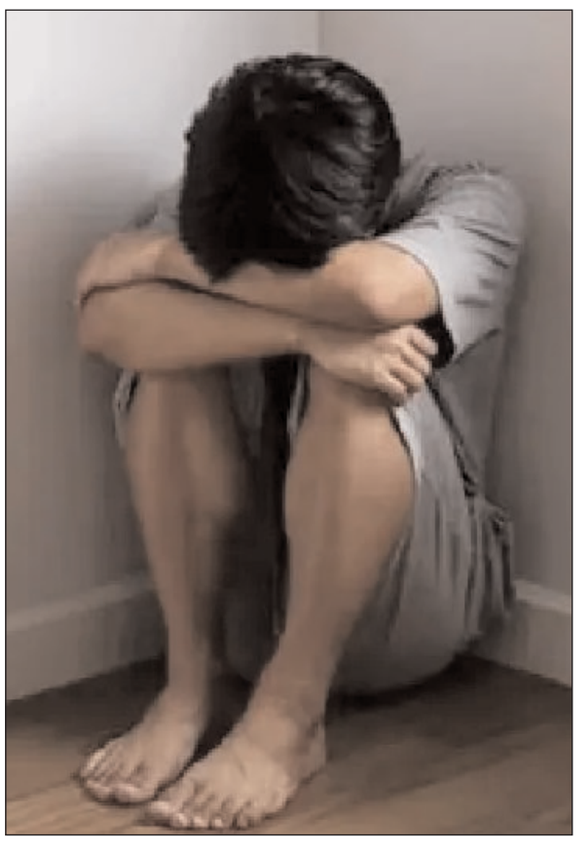

बच्चों का भविष्य गढ़ने वाले स्कूल चाहे सरकारी हो या गैर सरकारी। सब जगह यही अपेक्षा की जाती है कि बच्चों से बर्ताव ऐसा न हो जो उन्हें मानसिक अथवा शारीरिक रूप से चोट पहुंचाने वाला हो। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि स्कूल जाने का वक्त ही ऐसा होता है जब बच्चे अपने अभिभावकों से दूर रहते हैं। अभिभावक बच्चों को संस्कारवान व गुणवान बनाने की उम्मीद में स्कूल भेजते हैं। लेकिन पिछले सालों में देश के अलग-अलग हिस्सों में ऐसी दर्जनों घटनाएं हुई हैं, जिनसे अभिभावकों का यह भरोसा टूटता दिखता है।

हाल ही बेंगलूरु के एक निजी स्कूल में कक्षा से बाहर खड़े रहने की सजा मिलने से आहत तेरह वर्षीय छात्र ने खुदकुशी का प्रयास किया, वहीं राजस्थान के सरकारी स्कूल में किसी शिक्षक के पैसे गुम होने पर तलाशी के नाम पर छात्राओं के कपड़े उतरवा कर तलाशी लेने का शर्मनाक घटनाक्रम सामने आया है। ये दोनों ही घटनाएं न केवल अभिभावकों के भरोसे को तोडने वाली बल्कि बच्चों को प्रताड़ित करने वाली भी हैं। हैरत की बात यह है कि शिक्षा अधिकार कानून व बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से उठाए गए प्रतिबंधात्मक कदमों के बावजूद बच्चों को प्रताड़ित करने की घटनाएं थम नहीं रहीं। चोरी के मामले में सभी छात्राओं को शक की नजर से देखकर निर्लज्जतापूर्वक तलाशी लेने की बात सामने आने पर भले ही संबंधित शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई हो गई हो लेकिन उन बालिकाओं की मनःस्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है जिन्हें कपड़े उतारने को मजबूर किया गया। चिंताजनक यह भी कि ऐसे कृत्य में सहभागी शिक्षक भी खुद महिला थीं। अभिभावकों, शिक्षकों और समूचे समाज के सम्मुख भी यह चुनौतीपूर्ण सवाल जरूर है कि आखिर बच्चे खुदकुशी करने या इसका प्रयास जैसे कदम उठाने को क्यों मजबूर होने लगे हैं। पढ़ाई के दबाव पर स्कूल में मिलने वाला प्रतिकूल माहौल तो अपनी जगह है ही, सहनशीलता की कमी भी इसकी वजह है। बात-बात में बच्चों के मन में दुनिया छोड़ देने जैसे विचार उठने लगे हैं।

चिंता इस बात पर भी करनी होगी कि शिक्षक के रूप में ऐसे लोग शिक्षा के मंदिरों में क्यों पहुंच रहे हैं जो बच्चों को सजा देने में हैवानियत और नैतिकता की हदें पार कर देते हैं। देश के किसी न किसी हिस्से से ऐसी खबरें जब सामने आती हैं तो सवाल भी उठता है कि क्या शिक्षकों की भर्ती के दौरान भर्ती परीक्षा व साक्षात्कार के साथ-साथ यह नहीं देखा जाना चाहिए कि शिक्षक की मानसिकता हिंसक तो नहीं है। हैवान बने ऐसे शिक्षक समूची शिक्षक बिरादरी को बदनाम करते हैं। ऐसे शिक्षकों की कमी नहीं जो देश की भावी पीढ़ी को गढ़ने का काम मनोयोग से करते हैं। लेकिन बात-बात में गुस्सा हो जाने वाले और बाल मनोविज्ञान से बेपरवाह होकर बर्ताव करने वालों की तो शिक्षा के मंदिरों में जगह नहीं होनी चाहिए।

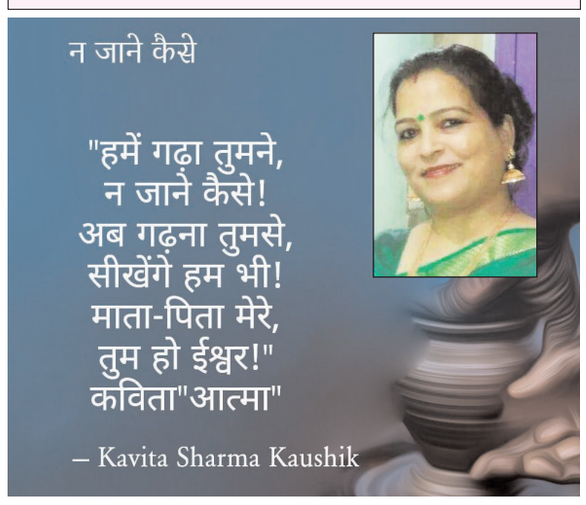

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

कौशल्याजी ज्ञानमयी हैं – उनका समत्व अद्वितीय है, सुमित्राजी भावनामयी हैं उनका समर्पण अद्वितीय है तथा कैकेईजी क्रियामयी हैं उनके क्रिया में औदार्य पग-पग पर परिलक्षित होता है। लेकिन कैकेईजी के अंतःकरण में एक ऐसी कमी है जो बहुधा श्रेष्ठ व्यक्तियों के जीवन में भी पाई जाती है। यही आध्यात्मिक सत्य है कि क्रिया यमुना के समान हर तरह से कल्याणमयी होते हुए भी उसमें कहीं न कहीं अभिमान छिपा हुआ है। अगर आप ध्यान से देखें तो कैकेईजी के चरित्र की यही एक दुर्बलता है कि क्रियामयी जो कैकेई हैं उनके अंतःकरण में भी अभिमान सोया हुआ है। तथा इतनी उदारता होते हुए भी वे उस अभियान से मुक्त नहीं हो पातीं। कैकेई उदार तो बहुत हैं पर उनको अपनी उदारता का भान भी है। और जहां व्यक्ति के मन में गुण का भान होगा वहां बिना अभिमान आए नहीं रहेगा। गुण अगर दूसरों को दिखाई दें तथा स्वयं को उसको भान न हो तब तो व्यक्ति के मन में अभिमान नहीं आएगा।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

'स्मार्ट सिटी' से आगे बढ़कर अब 'लिवेबल सिटी' की नीति अपनाएं

25 जून 2015 को भारत सरकार ने स्मार्ट सिटीज मिशन की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य 100 शहरों को टिकाऊ, नागरिक अनुकूल, तकनीक आधारित और बेहतर जीवन गुणवत्ता वाले शहरी केंद्रों के रूप में विकसित करना था। सरकार के अनुसार इस मिशन का लक्ष्य नागरिकों को कुशल सेवाएं, मजबूत आधारभूत संरचना और टिकाऊ समाधान उपलब्ध कराना था, ताकि ये शहर अन्य शहरों के लिए आदर्श बन सकें। एक दशक बाद जब भारत अपने शहरों को वैश्विक स्तर पर देखने की कोशिश करता है, तो इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआइयू) की ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स 2026 एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। यदि स्मार्ट सिटी मिशन का मूल उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना था, तो फिर भारत के प्रमुख महानगर दुनिया के रहने योग्य शीर्ष 100 शहरों में भी क्यों नहीं हैं?

ईआइयू की ताजा सूची में नई दिल्ली 120वें और मुंबई 121वें स्थान पर हैं। चेन्नई 123वें और बेंगलूरु 127वें स्थान पर हैं। यानी देश की राजधानी, आर्थिक राजधानी, औद्योगिक शहर और तकनीकी केंद्र, चारों ही वैश्विक शीर्ष 100 से बाहर हैं। दूसरी ओर कोपेनहेगन ने लगातार दूसरे वर्ष दुनिया के सबसे रहने योग्य शहर का स्थान बनाए रखा है, जबकि वियना, ज्यूरिख, मेलबर्न, जिनेवा, सिडनी, ओसाका, ऑकलैंड, एडिलेड और टोक्यो जैसे शहर शीर्ष 10 में हैं। यह रैंकिंग केवल प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं है, यह भारत के शहरी विकास मॉडल की बुनियादी कमजोरी को सामने लाती है।

ईआइयू का लिवेबिलिटी इंडेक्स 173 शहरों को स्थिरता, स्वास्थ्य सेवा, संस्कृति और पर्यावरण, शिक्षा तथा आधारभूत संरचना जैसे मानकों पर परखता है। इसलिए रहने योग्य शहर का अर्थ केवल चौड़ी सडक़ें, मेट्रो, फ्लाईओवर, ऊंची इमारतें या डिजिटल सेवाएं नहीं है। रहने योग्य शहर वह है जहां नागरिक सुरक्षित महसूस करे, हवा सांस लेने योग्य हो, सार्वजनिक परिवहन भरोसेमंद हो, अस्पताल और स्कूल सुलभ हों, हरित क्षेत्र बचा हो और शासन नागरिकों के प्रति जवाबदेह हो। भारत के शहरों ने आर्थिक गतिविधि तो पैदा की है, लेकिन जीवन की गुणवत्ता में संतुलित सुधार नहीं ला सके।

दिल्ली और मुंबई की कम रैंकिंग हमें यह सोचने के लिए बाध्य करती है कि क्या भारत में शहरीकरण का अर्थ केवल आबादी, वाहन, निर्माण, रियल एस्टेट और उपभोग का विस्तार बन गया है। दिल्ली देश की राजधानी है और मुंबई आर्थिक राजधानी। दोनों शहर भारत की आकांक्षा, रोजगार और अवसरों के प्रतीक हैं। फिर भी इन शहरों में आम नागरिक का दैनिक जीवन जाम, प्रदूषण, महंगे आवास, असमान सार्वजनिक सेवाओं और बढ़ते मानसिक तनाव से घिरा हुआ है। यदि शहर रोजगार देता है लेकिन स्वास्थ्य छीन लेता है, तो वह विकास का पूर्ण मॉडल नहीं हो सकता।

दिल्ली का मामला सबसे अधिक चिंताजनक है। हर साल सर्दियों में प्रदूषण पर तीखी बहस होती है, लेकिन मौसम बदलते ही नीति का दबाव भी कम हो जाता है। दिल्ली की समस्या केवल धुएं की नहीं, बल्कि शहरी संरचना, शासन और क्षेत्रीय समन्वय की समस्या है। दिल्ली की हवा पर दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, नगर निकायों, पड़ोसी राज्यों, परिवहन नीति, निर्माण गतिविधियों, ऊर्जा उपयोग और कृषि अवशेष प्रबंधन, सभी का प्रभाव पड़ता है। जब जिम्मेदारी इतनी बंटी हुई हो, तो जवाबदेही अक्सर कमजोर हो जाती है। यही कारण है कि संकट हर साल लौटता है और समाधान स्थायी नहीं बन पाता।

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि स्मार्ट शहर की कल्पना कई बार तकनीक तक सीमित हो गई। जबकि शहर की वास्तविक स्मार्टनेस इस बात से तय होनी चाहिए कि एक बच्चा सुरक्षित स्कूल जा सकता है या नहीं, एक बुजुर्ग पार्क में सांस ले सकता है या नहीं, एक महिला रात में सुरक्षित यात्रा कर सकती है या नहीं, और एक गरीब परिवार बिना निजी कार और निजी अस्पताल के भी सम्मानजनक जीवन जी सकता है या नहीं।

कोपेनहेगन जैसे शहरों से भारत को यह समझना चाहिए कि रहने योग्य शहर दशकों की निरंतर नीति से बनते हैं। वहां पैदल यात्री, साइकिल चालक, सार्वजनिक परिवहन, हरित क्षेत्र और नागरिक अनुशासन शहरी जीवन के केंद्र में हैं। इसके विपरीत भारतीय शहरों में कार आधारित विकास, अनियोजित निर्माण, सडक़ किनारे अतिक्रमण और कमजोर फुटपाथ आम नागरिक की जिंदगी को कठिन बना देते हैं। यदि किसी शहर में पैदल चलना ही असुरक्षित हो, तो वह आधुनिक हो सकता है, लेकिन नागरिक अनुकूल नहीं कहा जा सकता।

ईवी खरीद में तेजी, नया-पुराना 155 करोड़ सब्सिडी बकाया: 4 महीने में खत्म हुआ 100 करोड़ का ईवी सब्सिडी बजट

रायपुर। पेट्रोल और डीजल की किल्लत ने ईवी गाड़ियों की बिक्री दोगुना से भी ज्यादा बढ़ा दी है। पिछले वित्तीय साल 2025-26 में करीब 25 हजार ई-व्हीकल बिके थे, लेकिन अभी जनवरी से जून तक ही 12 हजार से ज्यादा गाड़ियां बिक चुकी हैं।

राज्य सरकार ने इस वित्तीय साल में ई-व्हीकल खरीदने पर 100 करोड़ की सब्सिडी देने का प्रावधान किया है। लेकिन पुराना बकाया और नई गाड़ियों की बिक्री को मिलाकर सब्सिडी 200 करोड़ के पार हो गई है।

गाड़ियां ज्यादा और सब्सिडी का बजट कम होने पर अफसर भी परेशान हो गए हैं। हालांकि उनका कहना है कि नियमों के अनुसार सभी को सब्सिडी दी जाएगी। गाड़ियों की संख्या और सब्सिडी के रकम की सूचना शासन तक पहुंचा दी जाएगी। जिन लोगों ने ईवी गाड़ियां खरीदी हैं उन्हें सब्सिडी की रकम हर हाल में मिलेगी। दैनिक भास्कर को मिली जानकारी के अनुसार जून 2025 में 2471 दोपहिया और 753 कार व ई-रिक्शों की बिक्री हुई थी।

लेकिन इस साल जून 2026 में ही 3849 दो पहिया, 1761 कार-ई-रिक्शों की बिक्री हो चुकी है। इतना ही नहीं ई-

व्हीकल की डिमांड अभी भी बनी हुई है। अभी किसी भी कंपनी की गाड़ी ऑन डिमांड नहीं मिल रही है। इसके लिए लोगों को शो रूम में बुकिंग करानी पड़ रही है। बुकिंग कराने के 7 से 14 दिन बाद ही गाड़ियों की डिलिवरी हो पा रही है। खासतौर पर कारों की डिलिवरी के लिए एक महीने तक का समय भी लग जा रहा है।

सदन में मंत्री ने दी जानकारी विधानसभा के मानसून में ई-वाहन नीति पर कुरूद विधानसभा से भाजपा के वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर के प्रश्न पर वन एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि राज्य की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के अनुसार 20 लाख तक की ईवी गाड़ियों पर 10 प्रतिशत या अधिकतम एक लाख प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है।

अगस्त 2022 से वाहन नीति लागू होने से 15 जून 2026 तक कुल 1 लाख 22862 वाहनों के लिए 270.45 करोड़ की सब्सिडी दी जानी थी, इसमें 53308 वाहनों के लिए 115.77 करोड़ का भुगतान जारी किया जा चुका है।

शहर के सभी दो और चार पहिया वाहनों के शो रूम में ई-वी गाड़ियों की बिक्री कई गुना बढ़ चुकी है। देश के कई राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में इसकी रफ्तार 10 प्रतिशत से भी ज्यादा है। इस वजह से सब्सिडी की रकम भी बढ़ गई है। -विवेक गर्ग, अध्यक्ष ऑटोमोबाइल एसो.

अभी हर माह आंकड़ा बढ़ रहा फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल ऑफ एसोसिएशन (फाडा) से मिली जानकारी के अनुसार राजधानी समेत राज्यभर में हर महीने ईवी गाड़ियों की बिक्री बढ़ रही है। जनवरी में राज्यभर में जनवरी 2026 में 279 कार बिकी थी, लेकिन जून 2026 में 297 कारों की बिक्री हुई।

इस साल सबसे ज्यादा मार्च में 375 और अप्रैल में 320 कारें बिकी। राज्यभर में सबसे ज्यादा कार 905 रायपुर में बिकी।

किराए पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।

संपर्क-9302222222

पेंशनरों के लिए 25 साल बाद आई खुशखबरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पेंशनरों के लिए राहत की खबर है। अब महंगाई राहत बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की सहमति का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। मध्यप्रदेश वित्त विभाग ने पुरानी व्यवस्था में बदलाव करते हुए दूसरे राज्य की मंजूरी लेने की अनिवार्यता खत्म कर दी है।

17 जुलाई को जारी आदेश के बाद अब छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश सरकार अपने-अपने पेंशनरों के लिए महंगाई राहत बढ़ाने का फैसला खुद ले सकेंगी। इससे पेंशनरों को ष्ठक्र का लाभ पहले की तुलना में जल्दी मिलने की उम्मीद है। राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के पेंशनरों की महंगाई राहत बढ़ाने के लिए दोनों राज्यों के बीच सहमति की प्रक्रिया अपनाई जाती थी। इस वजह से कई बार फैसला लेने में देरी होती थी और पेंशनरों को बढ़ी हुई राहत का लाभ समय पर नहीं मिल पाता था। नई व्यवस्था में अब दोनों राज्य सीधे आदेश जारी कर सकेंगे। हालांकि, महंगाई राहत की दर केंद्र सरकार द्वारा तय दर से ज्यादा नहीं होगी। साथ ही दोनों राज्य एक-दूसरे को इससे होने वाले वित्तीय भार की जानकारी देंगे।

दो महीने पहले नोटिस...

7 घंटे में 360 स्कूल बसों की जांच फिर भी 22 में मिलीं कई खामियां, 53 हजार रुपए का जुर्माना

रायपुर। राजधानी में रविवार को पुलिस परेड ग्राउंड में स्कूली बसों की जांच की गई। इस दौरान 38 स्कूलों की 360 बसें जांच के लिए पहुंचीं। बसों का मैकेनिकल और दस्तावेजी परीक्षण किया गया। दो महीने पहले नोटिस मिला, फिर भी जांच में 22 बसों में सुरक्षा संबंधी कई खामियां मिलीं। इन पर 53 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया और 15 दिन के भीतर कमियां दूर करने के निर्देश दिए गए।

बसों की जांच के साथ उन्हें चलाने वाले चालक और परिचालकों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। जांच में बीपी, शुगर और कमजोर नजर वाले चालक-परिचालक अधिक मिले। अग्निशमन विभाग ने चालक और परिचालकों को आग लगने की स्थिति में बचाव और फायर एक्सटिंग्विशर के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

उन्हें बताया गया कि रास्ते में बस में आग लगने पर सबसे पहले बच्चों को सुरक्षित कैसे बाहर निकालना है और उसके बाद आग पर कैसे काबू पाना है।

30 से अधिक स्कूल बसों का निरीक्षण किया। अधिकांश बसों में सीसीटीवी कैमरे, मेडिकल किट, फायर फाइटिंग सिस्टम और खिड़कियों पर सुरक्षा जाली लगी मिली। हालांकि कुछ बसों में ऑटोमैटिक डोर लॉक की सुविधा नहीं थी। कुछ बसों में बीमा और फिटनेस के दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे।

कुछ चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता समाप्त हो चुकी थी। कई बसों के दरवाजे हाथ से बंद करने पड़ रहे थे और कुछ में सीटें भी पुरानी थीं। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जांच में लाने से पहले बसों की मरम्मत और धुलाई कराई गई थी।

स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान 62 वर्षीय एक चालक अपनी जगह परिचालक को जांच के लिए बैठाकर बचने की कोशिश करता पकड़ा गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह बीपी और शुगर की दवाइयां ले रहा है। समझाने के बाद उसने स्वयं जांच कराई। परीक्षण में 48 चालक-परिचालकों में बीपी-शुगर और 22 चालकों की नजर कमजोर मिली। कई चालक जरूरत के बावजूद चश्मा नहीं पहन रहे थे।

मई में तीन दिन चले विशेष अभियान में 751 स्कूल बसों की जांच के दौरान 284 बसों में खामियां मिली थीं। स्कूलों को एक महीने में इन्हें दूर करने के निर्देश दिए गए थे। रविवार को दोबारा हुई जांच में 360 बसों में से 22 में फिर कमियां मिलीं। यानी नोटिस के बाद भी सभी बसों में सुधार सुनिश्चित नहीं हो सका।

सवाल यह है कि जिन बसों में पहले खामियां मिली थीं, उनका फॉलोअप किस स्तर पर हुआ? पुलिस और आरटीओ साल में एक-दो बार अभियान चलाते हैं, लेकिन नियमित निगरानी की व्यवस्था अब तक नहीं बन सकी है। पुलिस की जांच में स्कूल बसों में मिलने वाली खामियों की संख्या लगातार कम हो रही है, लेकिन नियमित जांच की व्यवस्था अब तक नहीं बन सकी है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए 16 बिंदुओं पर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन्हीं मानकों के आधार पर बसों की जांच की गई। इसमें जीपीएस, सीसीटीवी कैमरे व स्पीड गवर्नर सहित सभी जरूरी सुरक्षा मानक है। **-डॉ. अर्चना झा, डीसीपी ट्रैफिक**

रायपुर में फ्लाईओवर पर लटकी कार... कचना ब्रिज पर डिवाइड से टकराई, टक्कर मारने वाला ड्राइवर कार लेकर हुआ फरार

रायपुर। रायपुर के कचना फ्लाईओवर पर रविवार की रात 8.30 बजे तेज रफ्तार कार डिवाइडर तोड़ते हुए फ्लाईओवर की रेलिंग पर लटक गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक, हादसा कचना फ्लाईओवर पर हुआ, जहां सीजी 12 बीएच 8300 नंबर की कार डिवाइडर से टकराने के बाद पुल की रेलिंग पर लटक गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार का अगला हिस्सा रेलिंग के बाहर निकल गया था, जिससे कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कार नीचे नहीं गिरी और बड़ा हादसा टल गया।

बताया जा रहा है कि हादसे से पहले किसी दूसरे वाहन ने कार को टक्कर मारी थी। टक्कर के बाद दूसरा चालक मौके से अपनी गाड़ी लेकर फरार हो गया। वहीं, हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रायपुर पुलिस की सरप्राइज चेकिंग:100 जवानों ने की 200 से ज्यादा मकानों की जांच, चाकूबाजी-लूट होते ही अफसर सड़कों पर निकले

रायपुर। रायपुर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच पुलिस ने रविवार को बड़ा सर्च और वेरिफिकेशन अभियान चलाया। तेलीबांधा थाना क्षेत्र स्थित बीएसयूपी कॉलोनी, लाभांडी में पुलिस की सरप्राइज चेकिंग के दौरान 100 से अधिक पुलिस अधिकारी और जवान 200 से ज्यादा मकानों में पहुंचे। इस दौरान किरायेदारों, बाहरी व्यक्तियों और संदिग्ध गतिविधियों की जांच की गई।

अभियान पुलिस उपायुक्त (मध्य) तारकेश्वर पटेल के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त (सिविल लाइन) रमाकांत साहू के नेतृत्व में चलाया गया। इसमें तेलीबांधा और पुलिस लाइन के जवानों को तैनात किया गया। पुलिस की टीमों ने अलग-अलग हिस्सों में पहुंचकर घर-घर दस्तक दी और रहने वाले लोगों का सत्यापन किया। इसी तरह उत्तर जोन में भी अफसरों ने गश्त की। इस कार्रवाई के दौरान किरायेदारों, घरेलू सहायकों और बाहरी व्यक्तियों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई। पुलिस ने मकान मालिकों से भी जानकारी ली और रिकॉर्ड का मिलान किया।

जिन स्थानों पर संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली, वहां विशेष पूछताछ की गई। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में छिपे संदिग्ध लोगों की पहचान करना और अपराध की संभावनाओं पर अंकुश लगाना है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नियमित सत्यापन अभियान से चोरी, लूट, नशे के कारोबार और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। हाल के दिनों में शहर में हुई वारदातों को देखते हुए ऐसे अभियान और तेज किए जा रहे हैं।

पहली महिला किसान जो उगा रहीं लाल-काला चावल:विदेशों तक डिमांड, धान की 65 देसी किस्मों के बीजों को सहेजा, 65 के पेटेंट हासिल करने का भी प्रयास

जगदलपुर/रायपुर। बस्तर की पहचान अब केवल प्राकृतिक सौंदर्य और पारंपरिक धान की खेती तक सीमित नहीं रहेगी। जगदलपुर विकासखंड के गरावंड खुर्द गांव की प्रगतिशील महिला किसान प्रभाती भारत ने प्रदेश में नई कृषि क्रांति की शुरुआत की है। वे छत्तीसगढ़ की पहली महिला किसान बन गई हैं। उन्होंने व्यावसायिक स्तर पर ब्लैक राइस और रेड राइस की खेती शुरू की है। स्वास्थ्यवर्धक और उच्च बाजार मूल्य वाली इन विशेष धान किस्मों की खेती से अब बस्तर राष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान बनाने की

ओर बढ़ रहा है।

प्रभाती भारत वर्तमान में चार एकड़ भूमि पर खेती कर रही हैं। दो एकड़ में ब्लैक राइस है। दो एकड़ में रेड राइस है। बेहतर गुणवत्ता और शुद्ध बीज उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से बीज मंगवाए। मौसम अनुकूल रहा तो इस रकबे से करीब 60-70 क्विंटल से अधिक उत्पादन मिलने की उम्मीद है।

प्रभाती भारत बताती हैं कि स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण इन दोनों किस्मों की बाजार में अच्छी मांग है। बेहतर कीमत मिलने की भी पूरी संभावना है। रेड राइस का उपयोग विशेष रूप से मधुमेह के रोगियों के लिए लाभकारी माना जाता है। दक्षिण भारत के कई राज्यों में वर्षों से लोग इसे नियमित भोजन का हिस्सा बना रहे हैं। वहां कई विशेषज्ञ सामान्य चावल की जगह रेड राइस खाने की सलाह देते हैं। इसी सोच को बस्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से उन्होंने यह प्रयोग शुरू किया है।

किसानों को अधिक लाभकारी विकल्प उपलब्ध कराना भी लक्ष्य है। इस पूरे प्रयास में उन्हें इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक दीपक शर्मा का तकनीकी मार्गदर्शन मिल रहा है। बस्तर कृषि महाविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. सोनाली कर का मार्गदर्शन भी मिल रहा है। उद्यानिकी एवं कृषि विभाग के अधिकारी भी समय-समय पर खेत का निरीक्षण करते हैं। वे आवश्यक सलाह और सहयोग देते हैं। प्रभाती का मानना है कि वैज्ञानिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय ही भविष्य की टिकाऊ खेती का आधार बनेगा।

ब्लैक राइस को सुपर फूड की श्रेणी में माना जाता है। इसमें एंथोसाइनिन, आयरन, प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। ये हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हैं। रेड राइस में फाइबर, आयरन, जिंक और कई सूक्ष्म पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स सामान्य सफेद चावल की तुलना में कम होता है। इस कारण यह मधुमेह रोगियों के लिए उपयोगी विकल्प है।

पेट्रोल-डीजल पर घटेगी निर्भरता: सीएनजी-पीएनजी के उपयोग से वाहन और रसोई का खर्च घटेगा, इसके लिए सरकार बनाने जा रही स्टेट फ्यूल पॉलिसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वाहनों से बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार पहली बार स्टेट फ्यूल पॉलिसी तैयार करने जा रही है।

इसका उद्देश्य पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता कम कर सीएनजी, पीएनजी, एलएनजी, कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे स्वच्छ विकल्पों का उपयोग बढ़ाना है।

नीति बनने के बाद गैस आधारित परिवहन और घरेलू गैस नेटवर्क के विस्तार का स्पष्ट रोडमैप तैयार होगा। प्रदेश में फिलहाल सीएनजी और पीएनजी का उपयोग सीमित क्षेत्रों तक है, जबकि अधिकांश वाहन अब भी पेट्रोल-डीजल पर निर्भर हैं।

ऐसे में अभी से स्वच्छ ईंधन आधारित व्यवस्था विकसित करना जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार देश के शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का 20 से 30 प्रतिशत हिस्सा वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का है, जबकि कुछ महानगरों में यह 39 प्रतिशत तक पहुंच चुका है।

छत्तीसगढ़ में उपलब्ध स्त्रोत आधारित अध्ययनों के अनुसार रायपुर में पीएम-10 प्रदूषण में वाहनों की हिस्सेदारी करीब 12 प्रतिशत और पीएम-2.5 में 18 प्रतिशत है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा नहीं दिया गया तो वाहनों की बढ़ती संख्या के साथ यह अनुपात भी बढ़ेगा।

पीएनजीआरबी की अफसरों के साथ बैठक छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक गैस अवसंरचना के विस्तार को गति देने के लिए रायपुर में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) की दो दिवसीय राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इसका आयोजन एचसीजी ग्रुप ने किया।

बैठक में पीएनजीआरबी के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन, मुख्य सचिव विकास शील, पीएनजीआरबी के सदस्य (वाणिज्य) अंजनी कुमार तिवारी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के संचालक टोपेश्वर वर्मा, पीएनजीआरबी के निदेशक (मॉनिटरिंग) लेफ्टिनेंट कर्नल कुमार अभिषेक सहित राज्य सरकार, तेल विपणन कंपनियों और सीजीडी कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) और प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। पीएनजीआरबी ने सभी अधिकृत क्षेत्रों को राष्ट्रीय गैस पाइपलाइन नेटवर्क से शीघ्र जोड़ने, एमडीपीई पाइपलाइन का विस्तार, घरेलू पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने और गैस अवसंरचना में निवेश तेज करने के निर्देश दिए।

अगस्त में हर शनिवार चलेगी मधुपुर स्पेशल ट्रेन: श्रावणी मेला में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले यात्रियों के लिए सुविधा, दोनों तरफ से 5 ट्रिप

रायपुर। श्रावणी मेला में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे 1 अगस्त से 30 अगस्त 2026 तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-मधुपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का संचालन करेगा। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में 5-5 ट्रिप लगाएगी।

गाड़ी संख्या 08895 हर शनिवार (1, 8, 15, 22 और 29 अगस्त) को सुबह 4:30 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी से रवाना होगी। ट्रेन गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा, रायगढ़, बेलपहाड़ और ब्रजराजनगर समेत कई स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन सुबह 6 बजे मधुपुर पहुंचेगी।

वहीं, गाड़ी संख्या 08896 हर रविवार (2, 9, 16, 23 और 30 अगस्त) को सुबह 9 बजे मधुपुर से चलेगी और अगले दिन 11:50 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी पहुंचेगी। वापसी में भी ट्रेन रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़ और गोंदिया सहित प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी।

रेलवे के मुताबिक इस स्पेशल ट्रेन में कुल 20 कोच लगाए जाएंगे। इनमें 4 एसी थर्ड, 10 स्लीपर, 4 जनरल और 2 एसएलआरडी (गार्ड सह लगेज एवं दिव्यांगजन) कोच शामिल रहेंगे।

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि श्रावणी मेला के दौरान यात्रा की प्लानिंग पहले से करें और इस स्पेशल ट्रेन का फायदा उठाएं। यात्रा से पहले ट्रेन का टाइम-टेबल और स्टॉपेज रेलवे के अधिकृत माध्यमों से जरूर चेक करें, ताकि सफर आसान और सुविधाजनक रहे।

Vastu Guruji

BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >

CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके लिए सक्रियता और नई संभावनाओं से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में यात्रा के योग बन रहे हैं, जो भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है। सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करते समय धैर्य और समझदारी बनाए रखें। किसी भी मुद्दे पर आक्रामक रवैया अपनाने से बचें, क्योंकि शांत स्वभाव ही आपको सफलता दिलाएगा।

वृषभ। आज आपके लंबे समय से अटके हुए कार्य आसानी से पूरे होने के योग हैं। कार्यस्थल पर सहयोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बेहतर तालमेल रहेगा, जिससे आपकी कार्यक्षमता और उत्पादकता में वृद्धि होगी। नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं, जिन्हें आप सफलतापूर्वक निभाएंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय के नए अवसर मिल सकते हैं।

मिथुन। आज आर्थिक दृष्टि से दिन काफी अनुकूल रहेगा। धन लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं और पुराने निवेश से भी फायदा मिलने की संभावना है। आपकी प्रभावशाली वाणी और व्यवहार लोगों को आकर्षित करेगा, जिससे कार्यक्षेत्र में आपकी छवि मजबूत होगी। किसी महत्वपूर्ण बैठक या बातचीत में आपको सफलता मिलेगी।

कर्क। आज चंद्रदेव की कृपा से आपकी वाणी में मधुरता और प्रभाव बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य की सराहना करेंगे और नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। परिवार के साथ अधिक समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे रिश्तों में प्रेम और विश्वास बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी तथा खर्चों पर नियंत्रण रखना उचित होगा।

सिंह। आज छोटी यात्राओं के योग बन रहे हैं, जो भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में सफलता मिलने के संकेत हैं। हालांकि आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से बचें और गुस्से में कोई बड़ा निवेश न करें। व्यापारियों को लेन-देन में सावधानी बरतनी चाहिए। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

कन्या। आज मीटिंग्स, इंटरव्यू और पेशेवर बातचीत में आपको शानदार सफलता मिलेगी। आपकी वाणी और तर्कशक्ति लोगों को प्रभावित करेगी। लंबे समय से रुका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन की सराहना करेंगे। व्यापारियों के लिए भी दिन लाभदायक रहेगा।

तुला। आज आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। निवेश से जुड़े किसी भी निर्णय को जल्दबाजी में न लें और विशेषज्ञों की सलाह अवश्य लें। पैसों के लेन-देन में सतर्कता रखें, क्योंकि छोटी सी लापरवाही नुकसान का कारण बन सकती है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी, लेकिन परिणाम मिलने में थोड़ा समय लग सकता है।

वृश्चिक। आज आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में लाभकारी सौदे पूरे होने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। हालांकि किसी भी अजनबी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें और लेन-देन में सावधानी बरतें। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद रहेगा।

धनु। आज किसी भी बड़े निर्णय से पहले सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक होगा। कार्यक्षेत्र में जोखिम लेने की क्षमता बढ़ेगी, लेकिन अपनी सीमाओं को पहचानकर आगे बढ़ना अधिक लाभदायक रहेगा। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप सफलतापूर्वक निभाएंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा और प्रियजनों के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी।

मकर। आज शनि देव की कृपा से भाग्य आपका पूरा साथ देगा। करियर में प्रगति के नए अवसर प्राप्त होंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी। यदि आप नई नौकरी या व्यवसाय की योजना बना रहे हैं, तो समय अनुकूल है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान देने से आप दिनभर ऊर्जावान महसूस करेंगे।

कुंभ। आज रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और नए विचारों से लाभ मिलेगा। रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और कार्यशैली लोगों को प्रभावित करेगी। व्यापारियों के लिए नए अवसर सामने आ सकते हैं। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी और परिवार का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छे परिणाम मिलने के संकेत हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या बनाए रखें।

मीन। आज कार्यस्थल पर आपका फोकस और महत्वाकांक्षा पहले से अधिक मजबूत रहेगी। नए विचारों और योजनाओं के माध्यम से आप अपने करियर को नई दिशा दे सकते हैं। नौकरी बदलने या नए अवसर प्राप्त होने के भी संकेत हैं, जो भविष्य के लिए लाभदायक साबित होंगे। व्यापारियों के लिए दिन शुभ रहेगा और नए ग्राहकों से लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम और योग-ध्यान करना लाभकारी रहेगा।

श्रावणी मेला ; 3 जोड़ी स्पेशल ट्रेन मिला

मुंगेर, सुल्तानगंज सहित बिहार के 5 स्टेशन रुकेगी देवघर स्पेशल, कानपुर-कोलकाता स्पेशल भी

जामताड़ा। श्रावणी मेला को देखते हुए भारतीय रेलवे ने यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए 05028 बरहनी-देवघर अनारक्षित विशेष ट्रेन 28 जुलाई से 29 अगस्त तक प्रतिदिन चलाई जाएगी। यह ट्रेन कुल 33 फेरे लगाएगी।

बरहनी से दोपहर 3:20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन दोपहर 1:00 बजे देवघर पहुंचेगी। पूर्व रेलवे क्षेत्र में यह ट्रेन मुंगेर, सुल्तानगंज, भागलपुर, बाराहाट और बांका स्टेशनों पर रुकेगी, जिससे बिहार और झारखंड के श्रद्धालुओं को सीधा लाभ मिलेगा। वापसी में 05027 देवघर-बरहनी श्रावणी मेला विशेष ट्रेन 29 जुलाई से 30 अगस्त तक प्रतिदिन चलेगी। यह देवघर से शाम 6:45 बजे खुलकर अगले दिन दोपहर 3:15 बजे बरहनी पहुंचेगी।

कानपुर-कोलकाता के बीच भी विशेष ट्रेन

यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 04157/04158 कानपुर सेंट्रल-कोलकाता विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। 04157 ट्रेन प्रत्येक मंगलवार 21 जुलाई से 29 सितंबर तक (कुल 13 फेरे) संचालित होगी। ट्रेन कानपुर से सुबह 8:00 बजे चलकर अगले दिन सुबह 4:05 बजे कोलकाता पहुंचेगी।

वहीं, 04158 कोलकाता-कानपुर सेंट्रल विशेष ट्रेन प्रत्येक बुधवार 22 जुलाई से 30 सितंबर तक चलेगी। कोलकाता से सुबह 7:25 बजे रवाना होकर अगले दिन रात 1:25 बजे कानपुर पहुंचेगी। इन ट्रेनों का ठहराव नैहाटी, बंडेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर और आसनसोल स्टेशनों पर होगा। ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, स्लीपर और वातानुकूलित कोच उपलब्ध रहेंगे।

रेलवे ने आगरा कैंट-कोलकाता के बीच 01911/01912 विशेष ट्रेन के संचालन की भी घोषणा की है। 01911 आगरा कैंट-कोलकाता ट्रेन प्रत्येक गुरुवार 23 जुलाई से 24 सितंबर तक (कुल 10 फेरे) चलेगी, जो आगरा से सुबह 3:40 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 4:05 बजे कोलकाता पहुंचेगी। वापसी में 01912 कोलकाता-आगरा कैंट विशेष ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार 24 जुलाई से 25 सितंबर तक संचालित होगी।

ट्रेन कोलकाता से सुबह 7:25 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 8:00 बजे आगरा पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव भी नैहाटी, बंडेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर और आसनसोल में रहेगा। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले समय, आरक्षण और अन्य जानकारी की पुष्टि अवश्य कर लें। इन विशेष ट्रेनों से श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं और लंबी दूरी के यात्रियों को काफी सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

जमशेदपुर के दलमा में आधुनिक इको रेस्ट हाउस तैयार: आधुनिक सुविधाओं से लैस है 15 कमरों का रेस्ट हाउस, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल दलमा में पर्यटकों के लिए एक बड़ी सौगात तैयार हो गई है। माकुलाकोचा क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नया इको रेस्ट हाउस बनकर पूरी तरह तैयार हो चुका है। वन विभाग जल्द ही इसका उद्घाटन कर इसे पर्यटकों के लिए खोलने की तैयारी में है। इस रेस्ट हाउस के शुरू होने से दलमा पर्यटन को नई पहचान मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

यहां बनाए गए 15 कमरे आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं, जिससे पर्यटकों को बेहतर ठहरने का अनुभव मिलेगा। परिसर के सामने आकर्षक फाउंटेन भी तैयार किया गया है, जो इसकी खूबसूरती को और बढ़ाता है। खासकर रात के समय रोशनी से जगमगाता यह परिसर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेगा।

दलमा टॉप स्थित पिंडराबेड़ा में भी एक और इको रेस्ट हाउस का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। यहां भी 15 कमरों वाला आधुनिक रेस्ट हाउस तैयार किया जा रहा है, जिसकी सबसे खास बात इसका हैंगिंग डिजाइन होगा। इस डिजाइन के तहत भवन का एक हिस्सा पहाड़ से बाहर की ओर लटका हुआ रहेगा, जो पर्यटकों के लिए एक अलग अनुभव देगा।

दलमा टॉप स्थित पिंडराबेड़ा में भी एक और इको रेस्ट हाउस का निर्माण तेजी से किया जा रहा है।

दलमा टॉप स्थित पिंडराबेड़ा में भी एक और इको रेस्ट हाउस का निर्माण तेजी से किया जा रहा है।

दोनों परियोजनाओं पर करीब 11 करोड़ रुपए की लागत आ रही है। इससे न सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह क्षेत्र एडवेंचर और नेचर टूरिज्म के लिहाज से भी आकर्षण का केंद्र बन सकेगा। विभाग को उम्मीद है कि इन सुविधाओं के विकसित होने के बाद यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होगी।

दलमा की प्रभागीय वन पदाधिकारी (डीएफओ) सबा आलम अंसारी ने बताया कि माकुलाकोचा का रेस्ट हाउस पूरी तरह तैयार है और जल्द ही इसे पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिंडराबेड़ा परियोजना भी अपने अंतिम चरण में है। इन योजनाओं का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

16 महीने से जेब खाली, होमगार्ड जवानों के घरों में बुझने लगे चूल्हे

रांची। झारखंड में कानून-व्यवस्था से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं तक में दिन-रात मुस्तैदी से तैनात रहने वाले होमगार्ड जवान बेबसी के आंसू रो रहे हैं। विभिन्न सरकारी विभागों में सेवा देने के बावजूद इन जवानों को महीनों से मानदेय नहीं मिला है। सबसे बदतर स्थिति स्वास्थ्य विभाग में तैनात होमगार्ड जवानों की है।

यहां तैनात 3000 जवान ऐसे हैं, जिनमें किसी को पांच महीने से तो किसी को 16 महीने से मानदेय की एक फूटी कौड़ी तक नहीं मिली है। वहीं अन्य विभागों में तैनात 555 जवानों को भी चार-पांच महीने से मानदेय नहीं मिला है। यही नहीं, 10 हजार जवान ऐसे हैं, जिनसे निकाय चुनाव और रामनवमी-मुहर्रम में ड्यूटी कराई गई, पर अब तक मानदेय नहीं दिया। इस हालात के कारण हजारों जवानों के सामने भुखमरी की नौबत आ गई है। स्थिति कितनी भयावह है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में तैनात एक महिला जवान फूल कुमारी शनिवार को ड्यूटी पर ही फूट-फूटकर रो पड़ी। यहां तक चेतावनी दे दी कि अगर जल्दी ही बकाया मानदेय का भुगतान नहीं हुआ तो वह अस्पताल की छत से कूदकर जान दे देंगी। इस चेतावनी के बाद स्वास्थ्य विभाग ने 65.21 करोड़ रु. आवंटित किया।

झारखंड में अब भी सामान्य से 37% कम बारिश: राज्य में अगले दो दिन भारी बारिश के आसार

रांची। झारखंड में मानसून सक्रिय है। पिछले दो दिन से राज्य के अधिकतर इलाकों में बारिश हो रही है। रविवार को रांची के कांके में सबसे ज्यादा 66.5 एमएम बारिश हुई। इस दौरान ठनका गिरने से राज्य में पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें सरायकेला में दो, गुमला जमशेदपुर व हजारीबाग में एक-एक व्यक्ति की जान चली गई।

मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक राज्यभर में बारिश होने का अनुमान जताया है। इस दौरान रांची, हजारीबाग, रामगढ़, लोहरदगा, चतरा, लातेहार, गुमला और खूंटी में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 30 से 40 किमी की रफ्तार से हवा चलने और ठनका गिरने की भी संभावना है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव और पश्चिम बंगाल व उत्तरी झारखंड के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से बारिश हो रही है। उत्तर बिहार से उत्तर-पश्चिम बंगाल तक मानसूनी टर्फ फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि बारिश के पानी को खेतों में रोकने की जरूरत है, ताकि धान की रोपाई हो सके।

झारखंड में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। इसके बावजूद अब तक सामान्य से 37% कम बारिश हुई है। 19 जुलाई तक राज्य में 380.6 एमएम बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन 240.6 एमएम ही बारिश हुई है।

रिम्स जीबी बैठक: पिछले 3 जरूरी एजेंडे धरे रह गए, फिर 26 नए प्रस्ताव

रांची। रिम्स शासी परिषद (गवर्निंग बॉडी) की 65वीं बैठक मंगलवार (21 जुलाई) को होगी। बैठक में संस्थान के भविष्य से जुड़े 26 महत्वपूर्ण एजेंडों पर चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा। इस बार फोकस स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, मेडिकल शिक्षा को मजबूत करने, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की खरीद, आधारभूत संरचना के विकास और मानव संसाधन से जुड़े प्रस्तावों पर रहेगा। हालांकि 64वीं बैठक में लिए गए तीन महत्वपूर्ण ?एजेंडों पर कोई काम नहीं हुआ।

अगली बैठक का सबसे अहम एजेंडा रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के लिए 5.89 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि से अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी उपकरण खरीदने का है। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने पर कैंसर मरीजों को आधुनिक उपचार की सुविधा मिलेगी और बाहर रेफर होने वाले मरीजों की संख्या कम होगी। इसके अलावा केंद्र प्रायोजित योजना के तहत यूजी, पीजी और सुपर स्पेशियलिटी सीटें बढ़ाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी। उल्लेखनीय है कि हाल में रिम्स में एमबीबीएस सीटें 180 से बढ़ाकर 250 कर दी गई हैं। बैठक में पूर्व निदेशक प्रो. डॉ. राजकुमार के इस्तीफे की घटनोत्तर स्वीकृति, प्रो. डॉ. डीके सिन्हा को कार्यकारी निदेशक का प्रभार दिए जाने, दैनिक मजदूरों के सेवा विस्तार, पीटीए एवं बीईआरए जांच की नई दरें तय करने, सीटीवीएस विभाग के डॉ. राकेश चौधरी से जुड़े विभागीय मामले, वित्त एवं लेखा समिति की अनुशंसाओं, लंबित न्यायालयी मामलों की पैरवी पर भी निर्णय लिया जाएगा। हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में नॉन-एकेडमिक जूनियर रेजिडेंट (जेआर) के पद सृजित करने अथवा समायोजन के प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी। मंजूरी मिलने पर एमएचए करने वाले छात्र रिम्स में ही नॉन-एकेडमिक जेआर के रूप में कार्य कर सकेंगे। इसके अलावा एनएमसी मानकों के अनुरूप चिकित्सकों की प्रमोशन नीति, सहायक प्राध्यापकों, क्लिनिकल ट्यूटरों और मेडिकल ऑफिसरों की नियुक्ति, नई सेवा नियमावली, आयुष्मान भारत और अन्य प्रशासनिक प्रस्तावों पर भी निर्णय लिया जाएगा।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	3		8	4				
			9					
		5						
2	5				7	4	8	
		1					3	
	7	3						1
	4							
		8	6			9		
9								

पिछले अंक का उत्तर

1	7	5	2	9	4	8	3	6
6	2	3	1	8	7	9	4	5
8	9	4	5	6	3	2	7	1
5	1	9	7	3	2	4	6	8
3	4	7	8	5	6	1	2	9
2	8	6	9	4	1	7	5	3
9	3	8	4	2	5	6	1	7
4	6	1	3	7	9	5	8	2
7	5	2	6	1	8	3	9	4

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

अपात्र राशन कार्डधारियों को हर हाल में चुकानी होगी अनाज की कीमत

रांची। राज्यभर में अपात्र राशन कार्डधारियों के खिलाफ खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग की कार्रवाई तेज हो गई है। जिला प्रशासन के माध्यम से सभी जिलों में अपात्र लाभुकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

नोटिस के साथ वर्षों तक लिए गए राशन की कीमत 12 प्रतिशत ब्याज सहित जमा करने का निर्देश दिया गया है। कई मामलों में लाभुकों को एक लाख से लेकर पांच लाख रुपये तक जमा करने का नोटिस मिला है। इससे राज्यभर में हड़कंप मचा हुआ है और नोटिस पाने वाले लोग राहत का रास्ता तलाश रहे हैं। हालांकि खाद्य आपूर्ति विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जिन लाभुकों को अपात्र पाते हुए नोटिस जारी किया गया है, उन्हें हर हाल में सरकारी अनाज की राशि चुकानी होगी। अधिकारी के अनुसार अपात्र व्यक्ति पात्र लाभुकों के हिस्से के राशन पर दावा नहीं कर सकते, इसलिए वसूली से बचने का कोई प्रावधान नहीं है।

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप जीता: फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराया, फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल दागा

न्यूयॉर्क। स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। टीम ने न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 2022 की चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन के लिए एक्स्ट्रा टाइम में फेरन टोरेस ने गोल किया। इसी के साथ स्पेन ने 2010 के बाद दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। तब टीम ने नीदरलैंड को 1-0 से हराया था।

अगर यह मुकाबला 90 मिनट तक बराबरी पर रहा तो इसकी सबसे बड़ी वजह अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज थे। स्पेन पूरे मैच में लगातार अटैक करता रहा। कभी लामिन यमाल ने बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, कभी ओयारजाबाल ने मौका बनाया तो कभी पेड्री और निको विलियम्स गोल के करीब पहुंचे। हर बार मार्टिनेज ने खुद को गेंद और गोलपोस्ट के बीच खड़ा कर दिया।

कई बार ऐसा लगा कि स्पेन अब गोल कर देगा, लेकिन हर बार मार्टिनेज ने उसे रोक दिया। लेकिन फुटबॉल में लगातार दबाव आखिरकार असर दिखाता है। 106वें मिनट में निको विलियम्स का हेडर फेरन टोरेस तक पहुंचा और इस बार मार्टिनेज भी कुछ नहीं कर सके।

90 मिनट तक अर्जेंटीना किसी तरह मुकाबले में बनी रही। टीम का पूरा भरोसा पेनल्टी शूटआउट पर था, लेकिन इंजरी टाइम में एंजो फर्नांडीज ने ऐसी गलती कर दी, जिसने पूरी बाजी बदल दी।

पाउ क्यूबार्सी पर टैकल के बाद रेफरी ने एंजो को दूसरा यलो कार्ड दिखाया और फिर रेड कार्ड। अर्जेंटीना 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर और ज्यादा कब्जा जमा लिया।

103वें मिनट में निको विलियम्स ने ऐसा क्रॉस डाला, जिसे देखकर स्पेनिश फैंस जश्न मनाने को तैयार हो गए थे। मिकेल मेरिनो को लगभग खाली गोल मिला, लेकिन उनका हेडर बाहर चला गया। तीन मिनट बाद वही निको विलियम्स फिर बाएं फ्लैंक से पहुंचे। इस बार उन्होंने बैक पोस्ट पर हेडर से गेंद फेरन टोरेस के सामने गिराई। फेरन टोरेस ने बिना एक पल गंवाए दाएं पैर से ऐसा शॉट लगाया कि गेंद सीधे नेट में जा समाई।

मेसी से उम्मीद थी कि वे एक बार फिर बड़े मैच में कमाल कर दिखाएंगे, लेकिन स्पेन की मिडफील्ड और डिफेंस ने उन्हें कभी खुलकर खेलने का मौका ही नहीं दिया। दूसरी ओर यमाल लगातार अर्जेंटीना के डिफेंस पर हमला करते रहे।

स्पेन की पहचान हमेशा से गेंद पर नियंत्रण रखने वाली टीम की रही है। इस फाइनल में भी वही अंदाज दिखा। रोड्री ने मिडफील्ड में पूरे मैच की रफ्तार तय की। अर्जेंटीना को काउंटर अटैक का मौका ही नहीं मिला। स्पेन ने करीब 65% समय गेंद अपने पास रखी।

रेफरी की अंतिम सीटी बजते ही स्पेनिश खिलाड़ी मैदान पर दौड़ पड़े। कोई घुटनों के बल बैठ गया, कोई आसमान की ओर देखने लगा, तो कोई अपने साथी खिलाड़ियों से लिपट गया। 16 साल का इंतजार खत्म हो चुका था।

दूसरी ओर अर्जेंटीना के खिलाड़ियों की निराशा साफ दिखाई दे रही थी। कुछ देर बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच नोकझोंक भी हुई, लेकिन मामला जल्द शांत हो गया। इसके बाद ट्रॉफी स्पेन के कप्तान के हाथों में पहुंची और पूरा स्टेडियम 'वीवा एस्पाना' (स्पेन जिंदाबाद) के नारों से गूंज उठा।

फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में सबसे ज्यादा गोल फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे ने किए। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 10 गोल और 4 असिस्ट के साथ गोल्डन बूट अपने नाम किया। अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी 8 गोल और 4 असिस्ट के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 500 अंक लुढ़का, निफ्टी 24, 200 पर फिसला; प्राइवेट बैंक और रियल्टी शेयरों में बिकवाली

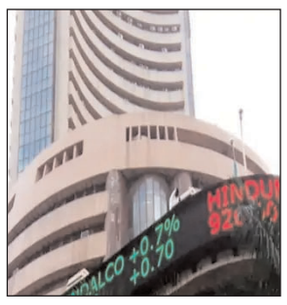

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार, 20 जुलाई को भारतीय शेयर बाजार दबाव में नजर आया। वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और निवेशकों की सतर्कता के कारण सेंसेक्स करीब 500 अंक टूटकर 77,600 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं, राष्ट्रीय शेयर बाजार (एनएसई) का निफ्टी भी लगभग 120 अंकों की गिरावट के साथ 24,200 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान प्राइवेट बैंक, रियल्टी और कुछ वित्तीय शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली देखने को मिली, जिससे बाजार पर दबाव बना रहा। हालांकि सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 शेयरों में हल्की बढ़त दर्ज की गई, जबकि 13 शेयर गिरावट के साथ कारोबार करते रहे। इससे स्पष्ट है कि बाजार में सेक्टर आधारित उतार-चढ़ाव बना हुआ है और निवेशक चुनिंदा शेयरों में ही खरीदारी कर रहे हैं। एशियाई बाजारों का रुख भी कमजोर रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 4 प्रतिशत से अधिक टूट गया, जबकि जापान का निक्केई भी करीब 4 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करता दिखाई दिया। दूसरी ओर, हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 2.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ सकारात्मक रुख में रहा। अमेरिकी बाजारों में भी शुक्रवार को कमजोरी देखने को मिली थी। डाउ जोन्स, नैस्डैक और एसएंडपी-500 तीनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए, जिसका असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया। गौरतलब है कि पिछले कारोबारी सत्र यानी 17 जुलाई को भारतीय शेयर बाजार ने शानदार तेजी दर्ज की थी। उस दिन सेंसेक्स 964 अंक उछलकर 78,151 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 261 अंक चढ़कर 24,334 के स्तर पर पहुंच गया था। उस दौरान आईटी, ऑटो और बैंकिंग शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली थी। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संकेतों में सुधार और विदेशी निवेशकों की सक्रियता बढ़ने पर आने वाले दिनों में बाजार दोबारा मजबूती की ओर लौट सकता है।

आज सोना 756 और चांदी 3493 महंगी हुई:10 ग्राम गोल्ड 1.42 लाख पर और 1 किलो चांदी की कीमत 2.19 लाख पहुंची

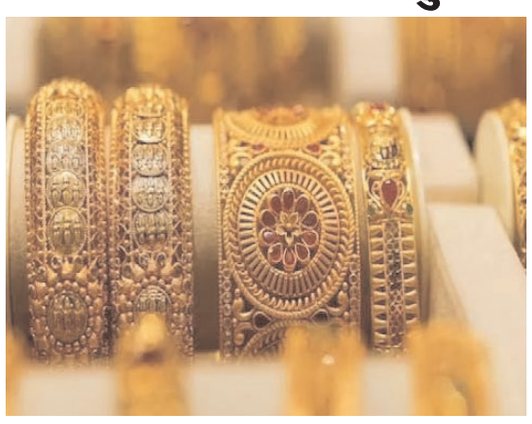

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में आज तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 3,493 रुपए बढ़कर 2,18,967 रुपए पर पहुंच गई है, जो शुक्रवार को 2,15,474 रुपए पर थी।

वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 756 रुपए चढ़कर 1,41,915 रुपए आ गया है। इससे पहले 17 जुलाई को यह 1,41,159 पर था। सोना के दाम इस महीने 283 रुपए बढ़े हैं, जबकि चांदी के दाम 6,463 रुपए गिरावट रही। 1 जुलाई को सोना 1,41,632 रुपए की 10 ग्राम और चांदी 2,25,430 रुपए किलो थी।

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य: ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते है, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

रोहित लॉर्ड्स पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय:इंग्लैंड में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले विदेशी बैटर; कोहली के साथ 21वीं शतकीय साझेदारी

लॉर्ड्स। इंग्लैंड ने तीसरे वनडे में भारत को 27 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। लॉर्ड्स में रोहित शर्मा ने 138 रन की पारी खेली। वे लॉर्ड्स के मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने।

रोहित का यह इंग्लैंड की धरती पर आठवां वनडे शतक रहा। इसके साथ ही वे किसी एक विदेशी देश में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ते हुए सबसे ज्यादा उम्र में वनडे शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी का रिकॉर्ड भी बनाया। रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। दोनों ने वनडे क्रिकेट में 21वीं बार 100 या उससे ज्यादा रन की साझेदारी की। मैच के दौरान एक दिलचस्प नजारा भी देखने को मिला। रोहित अपनी पारी खेलने के लिए शार्दूल ठाकुर का बैट लेकर मैदान में उतरे। उनकी यह तस्वीर वायरल हो रही है।

विराट-रोहित ने एक साथ सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने का भारतीय रिकॉर्ड बनाया। एक साथ 400 इंटरनेशनल मैच खेलने वाली यह पहली भारतीय जोड़ी बनी। दोनों ने इंटरनेशनल खेलते हुए साझेदारी में 8 हजार रन से ज्यादा जोड़े हैं।

रोहित और कोहली ने 21वीं शतकीय साझेदारी की। इसके साथ ही वनडे में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी करने वाली यह दूसरी जोड़ी बन गई। उन्होंने श्रीलंका के दिलशान-संगकारा के 20 शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। पहले स्थान पर सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली की जोड़ी है। उनके बीच वनडे में 26 शतकीय साझेदारियां हुई हैं।

रोहित शर्मा ने घर से बाहर किसी एक देश में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 138 रन की पारी के दौरान इंग्लैंड में अपना आठवां वनडे शतक लगाया। इसके साथ ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर और पाकिस्तान के सईद अनवर के 7-7 शतकों का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया।

रोहित ने 110 गेंद पर 138 रन की पारी खेली। वे लॉर्ड्स के मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने सौरव गांगुली के 90 रन के स्कोर को पीछे छोड़ा।

इसके साथ ही रोहित भारत के लिए किसी फॉर्मेट में शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने।

हिमाचल के 11 स्केटर एशियन ट्रॉफी के लिए सिलेक्ट: 6 खिलाड़ी चियोग के रहने वाले; ग्रामीणों ने बिना सरकारी मदद खुद बनाया आइस स्केटिंग रिंक

शिमला। हिमाचल प्रदेश के 11 खिलाड़ी 'एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी-2026' के लिए चयनित हुए हैं। इनमें से छह खिलाड़ी शिमला जिला के चियोग व आसपास के है, जहां के ग्रामीणों ने खुद बिना सरकारी मदद के दो साल पहले आइस 'स्केटिंग रिंक' तैयार किया।

अब यहां तैयार बच्चे इंडियन टीम के लिए चयनित हुए है। आइस स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने टीम देहरादून में आयोजित ट्रॉयल के दौरान टीम का चयन किया। भारतीय टीम में सिलेक्ट 11 में से 7 खिलाड़ी चियोग में ही अभ्यास करते है। अब यही बच्चे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चयनित खिलाड़ियों में तेजस्वी कुठियाला, रुद्रवीर गांगटा, समर्थ अत्री, दिव्यांश ठाकुर, आभास वर्मा, आद्विक जगटा, आराध्या शर्मा, अनिरुद्ध चंदेल, शुभम ठाकुर, विख्यात कंवर और मोक्षा शर्मा शामिल हैं। इनमें से आभास वर्मा, आद्विक जगटा, आराध्या शर्मा, अनिरुद्ध चंदेल, शुभम ठाकुर और विख्यात कंवर चियोग के रहने वाले हैं। शिमला जिला के ही जुब्बल के रहने वाले रुद्रवीर गांगटा भी चियोग के ही आइस स्केटिंग रिंक में अभ्यास करते हैं।

एशियन चैम्पियनशिप 17 से 20 अगस्त तक उत्तराखंड के देहरादून स्थित हिमाद्रि आइस रिंक में आयोजित होगी। इसमें भारत समेत 11 एशियाई देशों के 200 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। इससे पहले इंडियन टीम के लिए चयनित खिलाड़ी 21 जुलाई से देहरादून में होने वाले कैंप में शामिल होंगे।

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनीं: 2 साल बाद कोई टाइटल जीता, यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं।

31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला।

सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं।

2019 के बाद पहला बड़ा खिताब जीतीं

सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं।

यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है। 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

न्यूजीलैंड ने चौथे वनडे में वेस्टइंडीज को 1 विकेट से हराया: बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को 2-1 से हराकर टी-20 सीरीज अपने नाम की

न्यूजीलैंड ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में चौथे वनडे में वेस्टइंडीज को 1 विकेट से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 3-1 की बढ़त बना ली है। इसके साथ ही सीरीज भी अपने नाम कर लिया। 189 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम 149/6 पर संकट में थी, लेकिन कप्तान मिचेल सैंटनर की नाबाद 34 रन की पारी ने टीम को जीत दिलाई।

कैच छूटा, अगले ओवर में मैच खत्म

जीत के लिए 3 रन चाहिए थे और न्यूजीलैंड के 9 विकेट गिर चुके थे। 44वें ओवर में सैंटनर का आसान कैच अकीन ऑगस्टे और जस्टिन ग्रीव्स की टक्कर के कारण छूट गया। इसके बाद 45वें ओवर की पहली गेंद पर सैंटनर ने चौका लगाकर मैच खत्म कर दिया।

6 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद मार्क चापमैन ने 82 गेंदों में 80 रन बनाकर पारी संभाली। उनके आउट होने के बाद गुडाकेश मोती ने लगातार विकेट लेकर कीवी टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। मोती ने 5 विकेट लिए, लेकिन सैंटनर आखिर तक टिके रहे और 11वें नंबर के जेडन लेनोक्स के साथ जीत दिला दी। सैंटनर ने गेंदबाजी में भी 2 विकेट लिए।

वेस्टइंडीज 188 रन पर ऑलआउट

पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज 188 रन पर सिमट गई। आमिर जांगू और गुडाकेश मोती ने 81 रन की साझेदारी की, लेकिन टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से सांटनर और मैथ्यू फिशर ने 2-2 विकेट लिए।

जनभागीदारी से जल संरक्षण की नई मिसाल

'मोर गांव-मोर पानी' अभियान में 6.60 लाख कार्य पूरे, 11 हजार पंचायतों की भागीदारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रभाव दिखा रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने 24 अप्रैल 2025 (राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस) से अभियान शुरू किया था।

इसका उद्देश्य केवल जल संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीणों की आजीविका को मजबूत करना और विकास कार्यों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना भी है। अभियान की विशेषता यह है कि इसे जनभागीदारी आधारित मॉडल पर संचालित किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण अपनी जरूरतों के अनुसार जल संरक्षण कार्यों की योजना बनाकर उन्हें अमल में ला रहे हैं। अब तक प्रदेश में 6,60,105 जल संरक्षण कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

अभियान में बड़े और महंगे प्रोजेक्ट के बजाय बॉटम-टू-टॉप कार्यप्रणाली अपनाई गई है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से गांवों में छोटे, प्रभावी और टिकाऊ जल संरक्षण ढांचे तैयार किए गए हैं। इससे वर्षा जल का बेहतर संचयन, भूजल स्तर में सुधार और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन जैसे सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। सरकार का कहना है कि इस मॉडल ने ग्रामीणों को केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाया है।

अभियान के तहत प्रदेश में अब तक 6,60,105 जल संरक्षण कार्य पूरे किए जा चुके हैं। इनमें 6,08,909 कार्य मनरेगा के माध्यम से और 51,196 कार्य विभिन्न विभागों के समन्वय से किए गए हैं। अभियान का विस्तार राज्य के 33 जिलों, 146 जनपद पंचायतों और 11 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों तक हो चुका है।

प्रमुख उपलब्धियां

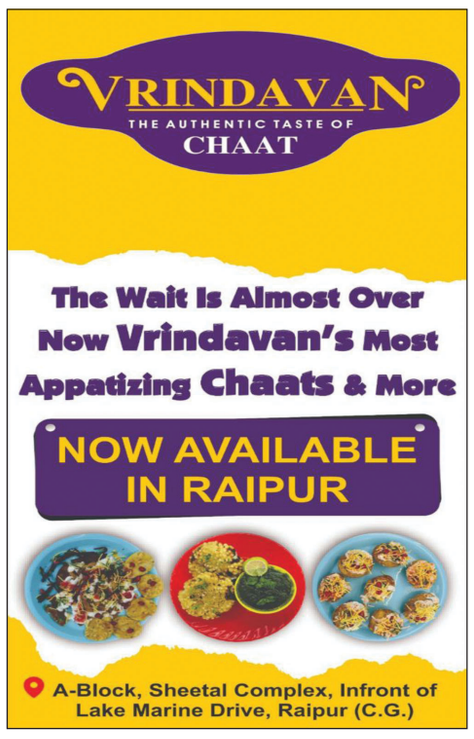

- 24 अप्रैल 2025 से अभियान की शुरुआत
- 6,60,105 जल संरक्षण कार्य पूरे
- 6,08,909 कार्य मनरेगा के माध्यम से
- 51,196 कार्य विभिन्न विभागों के समन्वय से
- 33 जिले, 146 जनपद पंचायतें और 11 हजार से अधिक ग्राम पंचायतें जुड़ीं
- 500 से अधिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित
- एक लाख से अधिक लोगों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया

स्कूलों के बाहर फिर चला ट्रैफिक पुलिस का अभियान:50 ऑटो-ई रिक्शा चालकों पर कार्रवाई; पुलिस बोली- सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

रायपुर। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर रायपुर यातायात पुलिस का अभियान लगातार जारी है। बुधवार और गुरुवार को चलाए गए विशेष अभियान के बाद फिर शनिवार को शहर के अलग-अलग स्कूलों के बाहर जांच की गई। इस दौरान क्षमता से ज्यादा बच्चों को बैठाकर ले जाने वाले ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। डीसीपी यातायात और प्रोटोकॉल डॉ. अर्चना झा के निर्देशन में यातायात पुलिस की टीम ने स्कूलों के बाहर पहुंचकर स्कूली वाहनों की जांच की। जांच में तय क्षमता से अधिक बच्चों का परिवहन करते मिले वाहन चालकों पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस के मुताबिक 17 और 18 जुलाई से शुरू किए गए इस अभियान में अब तक कुल 50 वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जा चुकी है। कार्रवाई के साथ ही ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को निर्धारित क्षमता के अनुसार ही बच्चों को बैठाने और सुरक्षित परिवहन के नियमों का पालन करने की समझाइश भी दी गई।

पुलिस बोली- बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

यातायात पुलिस ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्कूली समय में स्कूलों के आसपास लगातार निगरानी रखी जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

बिना ई-केवाईसी नहीं मिलेगा योजनाओं का लाभ: 16 लाख श्रमिकों के ई-केवाईसी अटके नाम

रायपुर/बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के ई-केवाईसी सत्यापन को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। प्रदेश के 16 लाख से अधिक पंजीकृत श्रमिकों के रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग, जन्मतिथि, पता और आधार नंबर में भारी गड़बड़ियां मिली हैं।

इस डेटा मिसमैच के कारण इनका ई-केवाईसी पोर्टल पर पूरा नहीं हो पा रहा है। श्रम विभाग ने साफ कर दिया है कि जब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं होगी, प्रभावित श्रमिकों को विभाग की किसी भी कल्याणकारी योजना का लाभ नहीं मिल सकेगा।

दरअसल, योजनाओं में पारदर्शिता लाने, फर्जी पंजीयन रोकने और वास्तविक पात्र श्रमिकों तक लाभ पहुंचाने के लिए सरकार ने ई-केवाईसी अनिवार्य की है। प्रदेश में भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार तथा असंगठित क्षेत्र को मिलाकर कुल 56.39 लाख श्रमिक पंजीकृत हैं। इनमें से 40.28 लाख श्रमिकों का राशन कार्ड रिकॉर्ड के जरिए ऑनलाइन सत्यापन और ई-केवाईसी का काम सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। लेकिन रायपुर के 1.35 लाख श्रमिकों सहित कुल 16.11 लाख श्रमिकों का डेटा आधार से मैच नहीं हो पाया है।

इन 3 वजहों से रिजेक्ट हो रहे आवेदन

नाम और सरनेम में अंतर

कई दस्तावेजों में नाम की स्पेलिंग अलग है (जैसे कहीं 'प्रेमकुमारी' तो कहीं 'प्रेम कुमारी' दर्ज है)।

जन्मतिथि का मिसमैच

आधार कार्ड और श्रमिक कार्ड में दर्ज जन्म की तारीखें आपस में मेल नहीं खा रही हैं।

प्रदेश में संस्थागत प्रसव, बढ़े उधर निजी अस्पतालों में ऑपरेशन से डिलीवरी बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 'जच्चा-बच्चा' की सुरक्षा को लेकर एक सुखद बात सामने आई है, लेकिन इसके साथ ही एक ऐसी चिंता भी जुड़ी है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (ह्रस्न।।स्-6) की ताजा रिपोर्ट बताती है कि प्रदेश में अब अस्पतालों में सुरक्षित प्रसव यानी संस्थागत प्रसव का आंकड़ा बढ़कर 86.9 फीसदी हो गया है। शहरों में तो यह 94.6 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो यह दर्शाता है कि लोगों का सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली पर भरोसा पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार सिक्के का दूसरा पहलू ये है कि निजी अस्पतालों में ऑपरेशन (सी-सेक्शन) से डिलीवरी का आंकड़ा 64.9% तक पहुंच गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684